कोटद्वार, बुधवार
2 अप्रैल 2025
वर्ष: 46
अंक: 313 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नगेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

हाईवे पर लेटकर बद्रीविशाल के दर्शनों को जा रहे बलराम गिरी

रुद्रप्रयाग। यात्रा सीजन अभी शुरू भी नहीं हुआ और भगवान बद्रीविशाल और भगवान केदारनाथ पर अटूट आस्था रखने वाले साधु–संत और भक्त अपनी पैदल यात्रा शुरू करने लगे हैं। ऐसे ही एक संत मंगलवार को रुद्रप्रयाग नगर से होकर बदरीनाथ धाम की ओर प्रस्थान कर गए हैं। आस्था और भक्ति की मिशाल पेश करते हुए बलराम गिरी हरिद्वार से पेट के सहारे लेटते हुए यात्रा कर रहे हैं। बीते प्रयागराज कुंभ स्नान के बाद ऐसे कई साधु संत है जो बदरीनाथ और केदारनाथ की यात्रा को लेकर अपने पैदल अभियान शुरू कर चुके हैं। चूंकि कपाट खुलने तक उनका उद्देश्य मंदिर तक पहुंचना है। ऐसे में वे पैदल यात्रा पर निकल पड़े हैं। मंगलवार को रुद्रप्रयाग में एक ऐसे ही साधु मिले जो हाईवे पर लेट–लेटकर बद्रीविशाल के दर्शनों को जा रहे हैं। उनके साथ एक और साधु है जो सहयोग के रूप में बलराम गिरी के साथ चल रहे हैं। बलराम गिरी ने बताया कि वे 12 फरवरी से हरिद्वार से अपनी यात्रा शुरू की है। जबकि बदरीनाथ पहुंचने में करीब एक महीना और लगेगा। उन्होंने बताया कि वे भगवान बद्रीविशाल के दर्शनों के साथ ही आत्म शांति के लिए यात्रा पर निकले हैं।

शक्ति नहर में डूबे युवक का शव बरामद

विकासनगर। दो दिन पहले शक्ति नहर में डूबे युवक का शव मंगलवार को एसडीआरएफ ने बरामद कर लिया है। एसडीआरएफ ने शव को पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दो दिन पहले चार दोस्त विकासनगर घूमने आए थे। इस दौरान एक युवक पैर फिसलने से शक्ति नहर में डूब गया।

उसे बचाने के लिए दो दोस्त भी नहर में कूदे, लेकिन डूबे युवक का कुछ पता नहीं चल पाया। इसके बाद साथियों ने कुल्हाल पुलिस और एसडीआरएफ को सूचित किया। एसडीआरएफ ने सर्च अभियान चलाया, लेकिन युवक का कुछ पता नहीं चल पाया। मंगलवार को फिर एसडीआरएफ ने सर्च अभियान चलाया। इस दौरान युवक का शव बरामद कर लिया गया। मृतक की पहचान जितेंद्र सिंह(20 वर्ष) पुत्र राजेंद्र सिंह निवासी बद्रीपर गुर्जर कॉलोनी पौंटा साहिब के रूप में हुई है।

नव विवाहिता ने गृह क्लेश के चलते जहरीले पदार्थ का सेवन किया, मौत

हरिद्वार। बुक्कनपुर में नव विवाहिता ने गृह कलेश के चलते कीटनाशक का सेवन कर लिया। परिजन महिला को नव विवाहिता को आनन–फानन निजी अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में भिजवाया। साथ ही महिला के परिजनों को घटना की जानकारी दे दी है। बुक्कनपुर में 22 वर्षीय नव विवाहिता खुशबू पत्नी मोहित ने गृह क्लेश के चलते कीटनाशक दवाई का सेवन कर लिया। महिला की हालत बिगड़ने पर ससुराल पक्ष के लोग महिला को आनन–फानन में निजी अस्पताल उपचार के लिये भर्ती कराया। चिकित्सकों ने महिला को मृतक घोषित कर दिया।

ऊर्जा उत्पादन बढ़ाने की दिशा में तेजी से कार्य करें : धामी

वन विभाग के गेस्ट हाउस के आधुनिकीकरण पर दिया जाए विशेष ध्यान

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : वनों के संरक्षण के साथ वन सम्पदाओं से राजस्व वृद्धि के लिए और प्रभावी प्रयास किये जाएं। वन विभाग के गेस्ट हाउस के आधुनिकीकरण पर विशेष ध्यान दिया जाए। जड़ी-बूटियों, कृषिकरण तथा विपणन के क्षेत्र में कार्य के लिए और अधिक संभवनाएं तलाशी जाए। मानव वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए कारगर उपाय किए जाएं। वनाग्नि प्रबंधन, जैव विविधता संरक्षण एवं ईको-टूरिज्म पर विशेष ध्यान दिया जाए।

ये निर्देश मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को सचिवालय में वन विभाग की गेम चेंजर योजनाओं की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को दिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि वन सम्पदाओं का बेहतर उपयोग के साथ ही प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार को बढ़ावा दिया जाए। ग्रीष्मकाल के दृष्टिगत वनाग्नि की रोकथाम के लिए प्रभावी कार्य योजना के साथ रणनीति बनाई जाए, ताकि वनाग्नि से होने वाले नुकसान से बचा जा सके। कहा कि ऐसे प्रयास केवल कागजों तक सीमित न रहे, धरातल पर दिखाई दें। मानव वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं को रोकने के लिए अन्य राज्यों की बेस्ट प्रैक्टिस का अध्ययन किया जाए और राज्य में इसके लिए बेहतर कार्य योजना बनाई जाए। ऊर्जा विभाग की समीक्षा के दौरान भी मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि राज्य में ऊर्जा उत्पादन बढ़ाने की दिशा में तेजी से कार्य किये जाएं। लघु जल विद्युत परियोजनाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य की मुख्य अवधारणा में ऊर्जा और पर्यटन प्रदेश था। पर्यटन के क्षेत्र में राज्य में तेजी से कार्य हो रहे हैं, लेकिन ऊर्जा के क्षेत्र में अनेक संभावनाओं पर कार्य करने की जरूरत है। बैठक में वन मंत्री सुबोध उनियाल, अवस्थापना अनुश्रवण परिषद के उपाध्यक्ष विश्वास डाबर, मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन, प्रमुख सचिव आर.के सुधांशु, आर.मीनाक्षी सुंदरम, प्रमुख वन संरक्षक डॉ. धनंजय मोहन, अपर सचिव श्रीमती रंजना राजगुरु, उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम के प्रबंध निदेशक संदीप सिंघल, यूपीसीएल के प्रबंध निदेशक अनिल कुमार, पिटकुल के प्रबंध निदेश-ाक पी.सी.ध्यानी और संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

इको टूरिज्म के लिए समर्पित वेबसाइट बनेगी

बैठक में जानकारी दी गई कि इको टूरिज्म के अंतर्गत इको कैंपिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास, पुराने फॉरेस्ट रेस्ट हाउस के रिस्टोर, स्थानीय युवाओं को विभिन्न गतिविधियों जैसे नेचर गाइड का प्रशिक्षण और क्षमता विकास कार्यक्रमों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इको टूरिज्म के लिए समर्पित एक वेबसाइट बनाई जाएगी। अभी तक विभिन्न क्षेत्रों में संचालित इको टूरिज्म क्षेत्र से स्थानीय युवाओं को लगभग रुपए 5 करोड़, जिप्सी संचालन से 17 करोड़ और स्वयं सहायता समूह को 30 लाख की आय सृजित हुई है।

गैस सिलेंडर विस्फोट में 4 बच्चों सहित 7 की मौत, जांच जारी

कोलकाता, पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के पाथर प्रतिमा में बीती रात एक घर में गैस सिलेंडर में विस्फोट हो गया. इस हादसे में चार बच्चों समेत कुल सात लोगों की मौत हो गई जबकि एक महिला घायल हो गई. विस्फोट के कारणों का पता लगाया जा रहा है.

इस घटना से इलाके में लोगों में हडकंप मचा गया.रिपोर्ट के अनुसार पथर प्रतिमा प्रखंड के ढोलाहाट गांव में रात करीब नौ बजे एक घर में विस्फोट हुआ. इसके बाद घर में आग लग गई. बताया जाता है कि रसोई गैस की वजह से आग तेजी से फैली. धमाके की आवाज दूर तक सुनाई दी. आवाज सुनकर आसपास के लोग पहुंचे और इसकी सूचना पुलिस को दी. स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से घर में फंसे लोगों को बचाने का प्रयास किया गया लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी. सुंदरबन पुलिस जिले के एसपी कोटेश्वर राव ने बताया, 'सभी शव बरामद कर लिए गए. विस्फोट में एक महिला भी घायल हो गयी. घायल महिला को घर से निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया गया. उन्होंने बताया कि मृतकों के एक ही परिवार से होने की संभावना है.

गंगोत्री नेशनल पार्क सैलानियों के लिए खुला

उत्तरकाशी। विश्व प्रसिद्ध गंगोत्री नेशनल पार्क के गेट मंगलवार को सैलानियों के लिए खोल दिए गए। अब पर्यटक गतींगली, नेलांग और गोमुख तपोवन की सैर कर सकेंगे। हालांकि गंगोत्री और गोमुख के बीच कई स्थानों पर हिमखंड के कारण ट्रैक अवरुद्ध है। हिमखंड की बर्फ हटाने और पिघलने में अभी समय लगेगा। इस परिस्थिति में गोमुख और केदारताल ट्रैक पर आवाजाही शुरू नहीं हो पाई है। नेलांग और गतींगली के दीदार के लिए पर्यटकों को मंगलवार से अनुमति लेनी शुरू कर दी है। मंगलवार को कनखू बेरियर में विधिवत पूजा अर्चना के बाद उपनिदेश-ाक हरीश नेगी और रेंजर प्रदीप बिष्ट ने विधिवत पूजा अर्चना करने के बाद गंगोत्री नेशनल पार्क के गेट सैलानियों के लिए खोल दिए। इसके बाद नेलांग घाटी और गर्तांगली के गेट खोले गए। अब पर्यटक छोटे लद्दाख कहे जाने वाली नेलांग और जादूंग घाटी सहित भारत–तिब्बत व्यापार के गर्तांगली की सैर कर पाएंगे। रेंज अधिकारी प्रदीप बिष्ट ने बताया कि इन दोनों स्थानों के लिए एक अप्रैल से अनुमति पर्यटकों को देनी शुरू कर दी गई है। लेकिन अभी गोमुख और केदारताल ट्रैक पर आवाजाही नहीं हो पाएगी। वहां पर बड़े–बड़े ग्लेशियर आने के कारण मार्ग बंद और क्षतिग्रस्त हैं। वन मार्ग को खोलने के लिए मजूदर कार्य कर रहे हैं। प्रयास रहेगा कि जल्द ही मार्ग सुचारू कर दोनों ट्रैक शुरू कर पर्वतारोहण को शुरू करवाया जाए। वहीं पहले दिन पर्यटक गर्तांगली औ नेलांग घाटी के दीदार के लिए उत्साहित नजर आए। पर्यटकों ने इसके बाद गर्तांगली गली के रोमांच का लुत्फ उठाया।

महात्मा गांधी के परपोते की याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने किया खारिज

●साबरमती आश्रम पुनर्विकास से जुड़ा मामला

नई दिल्ली, सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को महात्मा गांधी के परपोते तुषार गांधी द्वारा साबरमती आश्रम पुनर्विकास परियोजना के खिलाफ दायर याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया. न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति राजेश बिंदल की पीठ के समक्ष मामला सुनवाई के लिए आया. पीठ ने याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए कहा कि याचिका दायर करने में दो साल से अधिक की देरी हुई है. बता दें कि गुजरात उच्च न्यायालय ने वर्ष 2022 में तुषार गांधी की याचिका पर सुनवाई करते हुए फैसला दे दिया था. राज्य सरकार के इस आश्वासन के बाद कि प्रस्तावित परियोजना से साबरमती आश्रम का मुख्य क्षेत्र प्रभावित नहीं होगा, याचिका खारिज कर दी थी. जिसके दो साल बाद तुषार गांधी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की. सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि मात्र आशंका के आधार पर हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती नहीं दी जा सकती.

याचिकाकर्ता ने याचिका में तर्क दिया गया कि परियोजना में कथित रूप से 40 से अधिक समरूप इमारतों की पहचान की गई है, जिन्हें संरक्षित किया जाएगा. जबकि शेष लगभग 200 को नष्ट कर दिया जाएगा या उनका पुनर्निर्माण किया जाएगा. बता दें कि साबरमती आश्रम को गांधी आश्रम के नाम से भी जाना जाता है. इसकी स्थापना महात्मा गांधी ने 1917 में अहमदाबाद में की थी.गुजरात उच्च न्यायालय में तुषार गांधी ने याचिका दायर की थी कि प्रस्तावित साबरमती आश्रम पुनर्विकास परियोजना से आश्रम की स्थलाकृति बदल जाएगी. गुजरात सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील ने उच्च न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया था कि पुनर्विकास के दौरान पांच एकड़ में फैले मुख्य आश्रम परिसर को नहीं छुआ जाएगा. जिसके बाद, वर्ष 2022 में गुजरात उच्च न्यायालय ने गांधी की याचिका का निपटारा कर दिया था. राज्य सरकार ने तब हाईकोर्ट में आश्वासन दिया था कि आश्रम का मुख्य क्षेत्र प्रभावित नहीं होगा.

गुजरात की पटाखा फैक्ट्री में लगी आग, 17 मजदूरों की मौत, 5 घायल

अहमदाबाद, गुजरात के बनासकांठा जिले के डीसा द्धुआ रोड स्थित दीपक ट्रेडर्स नाम की पटाखा फैक्ट्री में भीषण आग लगने का मामला सामने आया है. इस घटना में 17 मजदूरों की मौत हो गई है, जबकि 5 मजदूर घायल हो गए हैं. वहीं, सूचना मिलने के बाद डीएम, जिला विकास अधिकारी समेत पुलिस का काफिला मौके पर पहुंचा और बचाव कार्य शुरू किया. सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक दुर्घटना के समय करीब 20 से ज्यादा लोग मौजूद थे. बता दें कि विस्फोटक सामग्री में हुए विस्फोट के कारण बगल के गोदाम की छत ढह गई. मृत मजदूरों का शरीर क्षत–विक्षत हो गया और गोदाम का मलबा भी 200 मीटर दूर तक जा गिरा. बहरहाल जेसीबी मशीन के जरिए मलबा को हटाने का काम किया जा रहा है. कलेक्टर मिहिर पटेल ने कहा कि पूरे मामले की जांच की गई है, लेकिन फैक्ट्री कैसे चल रही थी, विस्फोट कैसे हुआ और विस्फोट का कारण क्या था, इसकी भी जांच की जाएगी. उन्होंने कहा कि सभी मजदूरों को अलग–अलग अस्पताल में रेफर किया गया है. साथ ही आग पर काबू पा लिया गया. इस पटाखा फैक्ट्री में किस तरह की अग्निशामक सामग्री उपलब्ध थी, क्या यहां काम करने वाले श्रमिकों का बीमा लिया गया था या नहीं, क्योंकि जब पटाखा फैक्ट्री में दारू पाउडर का उपयोग किया जाता है, तो ऐसी जोखमी फैक्ट्री में काम करने वाले श्रमिकों और कर्मचारियों के लिए बीमा कवर लेना भी आवश्यक है.

जिम कॉर्बेट का सफर फिर हुआ महंगा

रामनगर। कार्बेट पार्क का सफर फिर महंगा हो गया है। पर्यटकों को सफारी कराने वाली पंजीकृत जिप्सियों का तीन साल बाद शुल्क बढ़ा दिया गया है। सीटीआर निदेश-ाक डॉ. साकेत बडोला की ओर से शुल्क बढ़ाने को हरी झंडी देने के बाद आज से यह शुल्क लागू हो जाएगा। डे–सफारी के लिए 200 रुपये प्रति जिप्सी का शुल्क बढ़ाया गया है। कार्बेट पार्क के ढिकाला, बिजरानी, ढेला, झिरना, दुर्गादेवी, गिरिजा पर्यटन जोन में पर्यटक सफारी करते हैं। इन जोन में सफारी के लिए 383 जिप्सियां कार्बेट कार्यालय में पंजीकृत हैं। काफी समय से जिप्सी मालिक शुल्क बढ़ाने की मांग कर रहे थे। जिस पर सहमति जताते हुए अब शुल्क का नया रेट कार्बेट प्रशासन ने जारी कर दिया है। बिजरानी का शुल्क पहले 2500 रुपये था जो अब 2700 कर दिया गया है। इसी तरह झिरना, ढेला, दुर्गादेवी व गिरिजा पर्यटन जोन का शुल्क 2800 से तीन हजार रुपये कर दिया गया है। पार्क वार्डन अमित ग्वासाकोटी ने बताया कि एक अप्रैल से यह शुल्क लागू कर दिया जाएगा। कार्बेट की वेबसाइट में भी जिप्सियों के नये शुल्क की संशोधित सूचना अपलोड कर दी गई है। इसमें कालागढ़ के पाखरो व सोनानदी पर्यटन जोन के जिप्सी का संशोधित शुल्क शामिल नहीं है। इससे पूर्व नवंबर 2021 में जिप्सी का शुल्क बढ़ाया गया था।

मैदान में बढ़ा तापमान, पर्यटकों से गुलजार हुए पहाड़

अप्रैल अपने साथ बढ़ता हुआ तापमान लेकर आ गया है। मैदानी क्षेत्रों में उमस का प्रभाव बढ़ रहा है और फिर गुलजार होने लगा है शीतल पहाड़। इस समय मैदानी क्षेत्र से पर्यटकों का रुख बागेश्वर के पर्यटन स्थलों की ओर है। कौसानी, बैजनाथ तथा बागनाथ नगरी पर्यटकों से गुलजार है। बागेश्वर नगर का तापमान अधिक रहता है, इसलिए पर्यटक बाबा बागनाथ के दर्शन के बाद कौसानी या बैजनाथ को लौट रहे हैं। मौसम साफ रहने से हिमालय की श्रृंखलाएं अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं। वीकेंड पर पर्यटकों की भीड़ बढ़ रही है। ट्रेकिंग के शौकीनों का रुख पिंडारी की ओर है। दिल्ली, महाराष्ट्र, कोलकाता, मुंबई, गुजरात, राजस्थान, जयपुर, हरियाणा आदि स्थानों के पर्यटकों की पहली पसंद कौसानी है। इसलिए सप्ताहांत ही नहीं, बल्कि यह खास हिल स्टेशन पूरे सप्ताह गुलजार है। यहां का तापमान इस समय 20 से 25 डिग्री के बीच है।

वक्फ संशोधन विधेयक आज लोकसभा में होगा पेश

नईदिल्ली,केंद्र सरकार वक्फ संशोधन विधेयक को संसद के इसी सत्र में पारित कराने की तैयारी कर रही है। विधेयक को 2 अप्रैल को लोकसभा में पेश किया जाएगा। सरकार ने विधेयक पर चर्चा के लिए 8 घंटे का समय निर्धारित किया है।

बता दें कि संसद का वर्तमान सत्र 4 अप्रैल तक चलना है। ऐसे में सरकार 2 दिनों के भीतर ही विधेयक को दोनों सदनों से पारित कराना चाहोगी। आइए जानते हैं संख्याबल क्या सरकार के पक्ष में है। वर्तमान में लोकसभा में 542 सदस्य हैं। विधेयक पारित कराने के लिए 272 सांसदों का समर्थन जरूरी है। फिलहाल भाजपा के पास 240 सांसद हैं। वहीं, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में जनता दल यूनाइटेड के 12, तेलुगु देशम पार्टी के 16, लोक जनशक्ति पार्टी के 5, राष्ट्रीय लोकदल के 2 और शिवसेना के 7 सांसद हैं। इस तरह एनडीए के पास कुल सदस्यों की संख्या 293 पहुंच जाती है, जो बहुमत के जरूरी आंकड़े से ज्यादा है। राज्यसभा में कुल सदस्यों की संख्या 236 और बहुमत का आंकड़ा 119 है। फिलहाल भाजपा के 98 सदस्य हैं। वहीं, एनडीए में भाजपा के अलावा जेडीयू के 4, टीडीपी के 2, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के 3 और रालोद का एक सांसद शामिल है। अगर 6 मनोनीत सदस्यों को जोड़ दिया जाए तो ये संख्या बहुमत से ज्यादा हो जाएगी। इस लिहाज से सरकार को राज्यसभा में भी ज्यादा परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। लोकसभा में कांग्रेस के 99 सदस्य हैं और विपक्षी गठबंधन इंडिया के 233 सदस्य हैं। इसके अलावा आजाद समाज पार्टी और शिरोमणि अकाली दल किसी गठबंधन का हिस्सा नहीं हैं। कुछ निर्दलीय सांसद भी किसी के साथ नहीं हैं। वहीं, राज्यसभा में कांग्रेस के 27 और इंडिया गठबंधन के कुल 85 सदस्य हैं। इसके अलावा 9 सदस्य वाईएसआर कांग्रेस, 7 बीजू जनता दल, 4 ऑल इंडिया द्रविड़ मुन्नेत्र कडगम (एआईडीएमके) और 3 निर्दलीय और छोटी पार्टियों के हैं। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, भोले–भाले मुसलमानों को यह कहकर गुमराह किया जा रहा है कि सरकार मुसलमानों की संपत्ति और अधिकार छीनने जा रही है। कुछ लोगों द्वारा फैलाई जा रही झूठी बातें हमारे समाज और राष्ट्र के लिए बहुत हानिकारक हैं। मैं सभी से अनुरोध करना चाहूंगा कि कृपया उन नेताओं की पहचान करें जो झूठ बोल रहे हैं। मुझे यह कहते हुए बहुत गर्व हो रहा है कि भारत में अल्पसंख्यक सबसे सुरक्षित हैं। केंद्र सरकार ने वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 को बीते साल 28 जुलाई को संसद में पेश किया था। विपक्षी पार्टियों की कड़ी आपत्ति के बाद इसे 8 अगस्त को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेज दिया गया। समिति ने इस साल 30 जनवरी को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को रिपोर्ट सौंपी थी।

भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती प्रदूषण

मुंबई,ठाणे में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने पर्यावरण अनुकूल इलेक्ट्रिक साइकिल का शुभारंभ किया है. इसी बीच नितिन गडकरी ने जीवाश्म ईंधन से वैकल्पिक ऊर्जा स्त्रोतों की ओर बढ़ने पर जोर दिया है. उन्होंने कहा कि लिथियम बैटरी की लागत में कमी से इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की कीमत में उल्लेखनीय कमी आएगी. जिससे वे उपभोक्ताओं के लिए अधिक किफायती हो जाएंगे. बैटरी प्रौद्योगिकी में हो रही प्रगति भारत के टिकाऊपरिवहन की ओर कदम बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण है. केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि जीवाश्म ईंधन पर भारत की निर्भरता एक आर्थिक बोझ है, क्योंकि ईंधन आयात पर प्रतिवर्ष 22 लाख करोड़ रुपये खर्च होते हैं. यह पर्यावरणीय खतरा भी है. जिससे देश की प्रगति के लिए स्वच्छ ऊर्जा को अपनाना महत्वपूर्ण हो जाता है. उन्होंने कहा कि भारत के ऑटोमोबाइल क्षेत्र की तीव्र वृद्धि ने 2014 के बाद से जापान को पीछे छोड़ दिया है और यह विश्व स्तर पर तीसरा सबसे बड़ा क्षेत्र बन गया है.

भारतीय वायुसेना की एरोबेटिक का प्रदर्शन को लेकर हुई उच्च स्तरीय बैठक

पटना, बिहार में पहली बार भारतीय वायुसेना की सूर्य किरण एरोबेटिक टीम हवाई प्रदर्शन करने जा रही है। यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अगुवाई में राज्य सरकार द्वारा राजकीय स्तर पर आयोजित किया जा रहा है। इस आयोजन की तैयारियों को लेकर आज पटना समाहरणालय में सारण सांसद राजीव प्रताप रुडी की अध्यक्षता में जिला पदाधिकारी डॉ. चंद्रशेखर, वरीय पुलिस अधीक्षक अवकाश कुमार एवं अन्य अधिकारियों की बैठक संपन्न हुई। इस कार्यक्रम का आयोजन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य सरकार कर रही है, जो बाबू वीर कुँवर सिंह की शौर्य जयंती के अवसर पर होगा। 23 अप्रैल को राज्य सरकार द्वारा घोषित राजकीय अवकाश भी है। इस अवसर पर सूर्य किरण के नौ विमान बिहटा हवाई अड्डे से उड़ान भरकर पटना के जेपी गंगा पथ पर रोमांचक हवाई करतब प्रस्तुत करेंगे। वन विभाग को बिहटा हवाई अड्डे की जंगली जानवरों से सुरक्षा की जिम्मेदारी दी गई है। बैठक में उपस्थित अधिकारियों ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं पर चर्चा की।

दिल्ली दंगे 2020: कोर्ट ने कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा के खिलाफ एफआईआर के आदेश दिए

नईदिल्ली,दिल्ली की एक कोर्ट ने 2020 में हुए दंगों के मामले में दिल्ली के कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के आदेश दिए हैं। कोर्ट ने यह आदेश उनकी कथित भूमिका की जांच के लिए दिए हैं। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट वैभव चौरसिया ने संज्ञेय अपराध के प्रथम दृष्टया साक्ष्य को देखते हुए जांच की आवश्यकता बताई। न्यायाधीश ने कहा कि यह स्पष्ट है कि मिश्रा अपराध के समय इलाके में थे...आगे की जांच की आवश्यकता है।

न्यायाधीश चौरसिया यमुना विहार में रहने वाले मोहम्मद इलियास की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई कर रहे थे, जिसमें मिश्रा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की गई थी। बता दें कि इससे पहले मार्च में दिल्ली पुलिस ने मिश्रा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग का विरोध किया था। पुलिस ने कहा था कि मिश्रा को मामले में फंसाया जा रहा है, जबकि 2020 में हुए उत्तर–पूर्वी दिल्ली दंगों में उनकी कोई भूमिका नहीं थी। कपिल का 23 फरवरी, 2020 को ट्विटर पर एक वीडियो सामने आया, जिसमें वे मौजपुर ट्रैफिक सिग्नल के पास भाषण देते दिख रहे हैं। मिश्रा ने डीसीपी (उत्तर–पूर्व) के पास खड़े होकर जाफराबाद में नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) का विरोध करने वाली महिलाओं पर निशाना साधा था। उन्होंने पुलिस को 3 में सडक़ें खाली कराने का अल्टीमेटम दिया था और कहा था कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो उन्हें खुद सडक़ों पर उतरना पड़ेगा और कोई उन्हें रोक नहीं पाएगा। उत्तर–पूर्वी दिल्ली के कई इलाकों में सीएए को लेकर 24 से 26 फरवरी, 2020 के बीच लगातार 3 दिन दंगे हुए थे। इनमें 53 लोगों की मौत हुई थी, जबकि लगभग 500 घायल हुए थे।

आरबीआई ने पूरे किए 90 साल, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने तारीफ के बांधे पुल

मुंबई,भारतीय रिजर्व बैंक ने 90 वर्ष पूरे कर लिए हैं. इसी उपलक्ष्य में मुंबई स्थित एनसीपी में भारतीय रिजर्व बैंक की 90वीं वर्षगांठ मनाई गई. इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन, केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा मुख्य रूप से शामिल हुए.राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि पिछले 90 वर्षों में भारतीय रिजर्व बैंक की उल्लेखनीय यात्रा सरकार के दृष्टिकोण, लक्ष्यों और नीतियों के अनुरूप है. हमारा देश अब धीरे–धीरे स्वतंत्रता की शताब्दी की ओर बढ़ रहा है. भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित विकसित भारत 2047 का लक्ष्य अभिनव है, क्योंकि देश अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी के करीब पहुंच रहा है. उन्होंने कहा कि सभी अधिकारियों, वर्तमान और पूर्व कर्मचारियों की कड़ी मेहनत के कारण ही यह संगठन आज इस ऊंचाई पर पहुंचा है. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि यह संस्थान देश की आजादी का काल भी देख चुका है. इस संगठन ने वह समय भी देखा है, जब देश की आर्थिक स्थिति खराब हो गई थी.

उत्तर प्रदेश में बुलडोजर कार्रवाई पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, दिया 10–10 लाख मुआवजे का आदेश

नईदिल्ली, सुप्रीम कोर्ट ने 2021 में उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में हुई बुलडोजर कार्रवाई पर सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने प्रयागराज विकास प्राधिकरण को 5 याचिकाकर्ताओं को 10–10 लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया है। प्राधिकरण को यह मुआवजा 6 हफ्ते के भीतर देना होगा।

कोर्ट ने मामले पर सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि यह हमारी अंतरात्मा को झकझोरता है और प्राधिकरण ने घर गिराने की प्रक्रिया मनमानी तरीके से की। 2021 में प्रयागराज में एक वकील, एक प्रोफेसर और 3 अन्य लोगों के मकान तोड़ दिए गए थे। इन लोगों को 6 मार्च, 2021 को नोटिस दिया गया था। आरोप था कि ये जमीन दिवंगत गैंगस्टर अतीक अहमद के नाम पर थी। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि नोटिस जारी होने के 24 घंटे के भीतर और अपील का समय दिए बिना ही मकान तोड़े गए। बाद में याचिकाकर्ताओं ने इलाहाबाद हाई कोर्ट और फिर सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। कोर्ट ने कहा, घर गिराने की प्रक्रिया असंवैधानिक थी। यह हमारी अंतरात्मा को झकझोरता है। राइट टू शेल्टर नाम भी कोई चीज होती है। उचित प्रक्रिया नाम की भी कोई चीज होती है। इस तरह की कार्रवाई किसी तरह से भी ठीक नहीं है।

कोर्ट ने कहा कि यह मुआवजा इसलिए भी जरूरी है, ताकि भविष्य में सरकारें बिना उचित प्रक्रिया के लोगों के मकान गिराने से परहेज कर सकें। फैसले पर अखिलेश यादव ने लिखा, इस मामले में कोर्ट ने नोटिस मिलने के 24 घंटे के भीतर मकान गिरा देने की कार्रवाई को अवैध घोषित किया है।

सच तो ये है कि घर केवल पैसे से नहीं बनता है और न ही उसके टूटने का जख्म सिर्फ पैसों से भरा जा सकता है। परिवारवालों के लिए तो घर एक भावना है। उसके टूटने पर जो भावनाएं आहत होती हैं, उनका कोई मुआवजा नहीं दे सकता है।

सम्पादकीय

दायित्वधारियों का कुनबा

राज्य में मंत्रिमंडल में फेरबदल व नए चेहरों को लेकर चल रही कयास बाजियां भले ही अंजाम न पहुंची हो लेकिन मुख्यमंत्री ने बेहद गोपनीय तरीके से कई विभागों में दायित्वधारी नेताओं की नियुक्तियां कर दी। उम्मीद की जा रही थी कि इस नवरात्र में सीएम धामी मंत्रिमंडल में परिवर्तन या फिर नए चेहरों को कैबिनेट का हिस्सा बनाएंगे लेकिन उससे पहले राज्य मंत्रियों का बेड़ा तैयार कर दिया गया। हालांकि जारी की गई सूची के बाद प्रतीक्षा में लगे कई पुराने पदाधिकारी व कार्यकर्ता नाराज भी है लेकिन अभी भी उम्मीद की एक किरण और बनी हुई है जिसमें कुछ और विभागों में दायित्वधारी राज्य मंत्रियों की तैनाती करने की संभावनाएं बनी रही है। शासन द्वारा वरिष्ठ नागरिक कल्याण परिषद, राज्य महिला आयोग, राज्य महिला उद्यमिता परिषद, उत्तराखंड आवास सलाहकार परिषद, उत्तराखंड सफाई कर्मचारी आयोग, उत्तराखंड राज्य स्तरीय खेल परिषद, प्रवासी उत्तराखंड परिषद, भागीरथी नदी घाटी प्राधिकरण, समाज कल्याण योजनाएं अनुश्रवण समिति, उत्तराखंड पारिस्थितिकीय पर्यटन सलाहकार परिषद, उत्तराखंड जैविक उत्पाद परिषद, उत्तराखंड वन पंचायत सलाहकार परिषद, सिंचाई सलाहकार समिति, उत्तराखंड हतकरघा एवं हस्तशिल्प विकास परिषद, उत्तराखंड राज्य पूर्व सैनिक कल्याण सलाहकार समिति, उत्तराखंड वन एवं पर्यावरण सलाहकार समिति में दायित्व सौंप गए हैं। इधर अभी तक यह निश्चित नहीं हुआ है कि उत्तराखंड मंत्रिमंडल में किन–किन चेहरों को लिया जाएगा या फिर किसकी छुट्टी होगी? फिलहाल मुख्यमंत्री धामी ने दायित्वधारी नेताओं की सूची जारी कर मास्टर स्ट्रोक खेला है और उन क्यासबाजियों को पीछे धकेल दिया है जिनमें बड़े जोर शोर के साथ मंत्रिमंडल में फेरबदल की चर्चाएं की जा रही थी।

किसानों की बात सुने

शंभ और खनौरी बॉर्डर से किसानों को हटा कर पुलिस ने तेरह महीनों से अवरोधित अमृतसर–अंबाला–दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग खुलवा दिया। सीमा पर लगे सीमेंट के ब्लॉक, लोहे की कीलें, कंटीले तारों से लगाए गए ये अवरोधक हटाने में कड़ी मशक्कत की गई। किसानों के टेंट भी हटा दिए गए। पंजाब में अभी भी एक हजार से ज्यादा किसान हिरासत में हैं। सौ से ज्यादा प्रदर्शनकारी किसानों पर केस दर्ज कर उन्हें पटियाला जेल भेजा गया। सरकार की कार्रवाई से नाराज किसानों का पुलिस से टकराव भी हुआ। हालांकि पंजाब सरकार ने किसान नेताओं को बैठक के लिए बुलाया है। ता रहे हैं, बॉर्डर बंद होने का सीधा असर कारोबार पर पड़ रहा था। तेरह महीनों में कारोबारियों को दस हजार करोड़ रुपये का नुकसान होने का अंदाजा है। पिछले काफी समय से व्यापारी और उद्योगपति सरकार पर बॉर्डर खोलने का दबाव बना रहे थे। लुधियाना पश्चिम सीट पर होने वाले उपचुनाव को लेकर भी राज्य सरकार पर दबाव था। यहां तमाम औद्योगिक इकाइयों में ताला पड़ा है और धंधा पूरी तरह ठप है। स्थानीय लोगों की आवाजाही पर तो असर है ही, बॉर्डर अवरोधकों के कारण लोगों को लंबी दूरी घूम कर संकरे रास्तों का इस्तेमाल करना पड़ रहा था जिससे आसपास के इलाकों का यातायात प्रभावित हो रहा था। ट्रांसपोर्टरों ने सीमा खुलने पर राहत की सांस ली है क्योंकि किराया बढ़ाने के बावजूद लागत निकालने में उन्हें खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। नाराज किसान इस कार्रवाई को केंद्र की मिलीभगत से हुई कार्रवाई बताते हुए इसे विश्वासघात कह रहे हैं। राज्य में बंदी के चलते सरकार को हर बार नब्बे करोड़ से अधिक के राजस्व से भी हाथ धोना पड़ा। बावजूद इसके तकरीबन चार सौ दिनों तक सीमा पर बसे प्रदर्शनकारी किसानों ने अपनी रोजमर्रा की जरूरतों को लेकर ढाई किमी. तक अस्थाई व्यवस्था कर ली थी जिसमें रिहाइश से लेकर दफ्तर, शौचालय, स्टोर, रसोई और लंगर स्थल सब चल रहे थे।

चिंता का विषय है किसानों की आत्महत्या

प्रो. लल्लन प्रसाद

संख्या में किसान और खेतिहर मजदूर देश के विभिन्न राज्यों में प्रति वर्ष आत्महत्या करते हैं, अन्य पेशों की अपेक्षा आत्महत्या करने वालों में उनकी संख्या अधिक होती है। यद्यपि यह विव्यापी समस्या है किंतु भारत जैसे देश, जहां आधी से अधिक आबादी कृषि पर निर्भर है, में यह चिंता का विषय है। किसानों द्वारा आत्महत्या की घटनाएं सबसे अधिक महाराष्ट्र में होती हैं, जो संपन्न राज्य है, आंध्र, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और पंजाब में भी आत्महत्या के अधिक मामले सामने आते हैं।

आजादी के 75 वर्ष बाद भी छोटे और मार्जिनल किसानों को अर्थव्यवस्था में विकास का लाभ बड़े किसानों की अपेक्षा कम मिला। अधिकांश छोटे किसान कर्ज में डूबे होते हैं, प्राकृतिक आपदाओं से फसल के नुकसान को बर्दाश्त करने में असफल होते हैं, आमदनी इतनी नहीं होती कि घर के खर्चे पूरे कर सकें, शादी– ब्याह और त्योहारों, बच्चों की शिक्षा और परिवार के स्वास्थ्य के खर्चे निकाल सकें, जीवन सुख से बिता सकें। गांवों में पिछड़ों और दलितों की स्थिति तो और भी नाजुक है। खेती की बढ़ती लागत, सिंचाई की खराब व्यवस्था, महंगे रासायनिक उर्वरकों का उपयोग, नशाखोरी भी उनकी समस्याओं को बढ़ाते हैं। आत्महत्या का सबसे बड़ा कारण मानसिक तनाव होता है जो फसल बर्बाद होने और पारिवारिक समस्याओं के कारण सबसे अधिक होता है। 1990 से शुरू आर्थिक सुधारों के फलस्वरूप निवेश औद्योगिक, वित्तीय और व्यावसायिक क्षेत्रों में अधिक होने लगा। कृषि गौण हो गई, शहरीकरण में तेजी आई, गांव पीछे रह गए। संसद और विधायिकाओं में गांव के प्रतिनिधियों की अधिकता के बावजूद छोटे किसानों और कृषि मजदूरों की हालत में खास सुधार नहीं हुआ। बड़े किसानों को लाभ हुआ, उनकी सरकार में भागीदारी बढ़ी, पॉलिटिकल पावर भी।

किसानों का नेतृत्व भी उन्हीं के हाथ में चला गया जो अब तक बरकरार है। कृषि उत्पादन का व्यापार उनके नियंत्रण में है, सरकार द्वारा कृषि कानूनों में सुधार, जो छोटे किसानों को लाभ दे सकता था, ठंडे बस्ते में रह गया। हरित क्रांति 1960 के दशक में हुई, खेती की पैदावार में अच्छी बढ़ोतरी हुई, किंतु खेती की लागत भी बढ़ती गई, कृषि उत्पादों की कीमत अपेक्षाकृत कम बढ़ी, क्रांति का बड़ा लाभ धनी किसानों को हुआ जिनके पास बड़े–बड़े खेत थे, छोटे किसान फिर भी मार्जिन पर ही रह गए।

1990 के दशक से किसानों की आत्महत्या की घटनाएं अधिक रिपोर्ट की गई। 1995–2013 के बीच 296438 किसानों ने आत्महत्या की। 2018 तक यह संख्या चार लाख के ऊपर पहुंच गई थी, प्रति दिन औसतन 48 आत्महत्या की घटनाएं रिपोर्ट की गई। 2017–21 के बीच 286000 आत्महत्या की घटनाएं हुई जिनमें 55 प्रतिशत किसानों द्वारा की गई थीं। नेशनल क्राइम ब्यूरो के अनुसार 2022 में 11290 किसानों और कृषि मजदूरों द्वारा आत्महत्या की रिपोर्टें आई। 2021 की अपेक्षा यह 3.7त्न व 2020 की अपेक्षा 5.7त्न अधिक था। 2020–22 में देश के दो तिहाई हिस्से में सूखा पड़ गया था, अत्यधिक गर्म हवाओं के कारण तापमान में और वृद्धि हो गई थी। फलस्वरूप गेहूं, फल–सब्जियों की पैदावार में कमी हुई। चारे के दामों में वृद्धि, पशुओं में बीमारी और मृत्यु से किसानों को और भी धक्का लगा। प्याज और टमाटर जैसी फसलों का बंपर उत्पादन भी कई बार किसानों के लिए मुसीबत बन जाता है। कीमतें गिर जाती हैं, फसल फेंकने तक की नौबत आ जाती है।

ऐसे समय में आत्महत्या की घटनाएं बढ़ जाती हैं। महाराष्ट्र सरकार ने 2008 में मनी लेंडिंग रेग्युलेशन एक्ट पास किया था। इसका उद्देश्य था साहूकारों द्वारा भारी ब्याज और उगाही के तरीकों पर नियंत्रण करना। किसानों को आपदा से बचाने के लिए महाराष्ट्र सरकार द्वारा उठाए गए कदम प्रभावशाली नहीं रहे। इंदिरा गांधी इंस्टिट्यूट ऑफ डवलपमेंट रिसर्च द्वारा महाराष्ट्र में भारी संख्या में किसानों द्वारा आत्महत्या के मुख्य कारण थे–किसानों पर कर्ज, कम आमदनी, मौसम की मार, सूखा आदि से फसलों की बर्बादी, पारिवारिक समस्याएं जैसे बीमारी, लडिक्रयों की शादी में दहेज, शिक्षा की कमी आदि। पूर्वोत्तर के राज्यों, उत्तर प्रदेश और बिहार, हरियाणा, केंद्रशासित चंडीगढ़, पांडिचेरी और लक्षद्वीप में किसानों द्वारा आत्महत्या की कम घटनाएं आती हैं। कृषि क्षेत्र में आत्महत्या रोकने के जो प्रयास अब तक किए गए हैं, वे आधे–अधूरे हैं। किसानों की आमदनी जब तक इतनी नहीं होती कि अपना जीवन यापन ठीक से कर सकें, इस स्थिति में बदलाव संभव नहीं है। चुनाव के समय राजनीतिक पार्टियां किसानों के कर्ज माफ करने और उनको जो सुविधाएं देने का वादा करती हैं, चुनाव बाद उन्हें भूल जाती हैं।

केंद्र सरकार की कुछ योजनाओं का लाभ किसानों तक पहुंचा है इसमें संदेह नहीं किंतु इनमें से अधिकांश योजनाओं का लाभ बड़े किसानों को अधिक हुआ है। किसान क्रेडिट कार्ड, फसल बीमा योजना, उर्वरक पर नीमकोटि, लघु सिंचाई योजनाएं किसानों के लिए लाभप्रद हैं। गांव में सडक़, बिजली स्वच्छ पेयजल,शौचालय आदि की व्यवस्था भी किसानों के जीवन स्तर को उठाने में कारगर हुई हैं किंतु कृषि और ग्रामीण विकास के लिए जो बजट आवंटन केंद्र और राज्य सरकारें करती हैं, वह आवश्यकता से बहुत कम है। किसानों के लिए प्रधानमंत्री की मानदेय योजना अच्छी है किंतु इसमें दिए जाने वाली राशि ?6000 वर्ष की है जो बढ़ाई जानी चाहिए। प्राकृतिक आपदाओं और मौसम की मार से जब भी फसलों को नुकसान होता है राज्य और केंद्र सरकारों की जिम्मेदारी बनती है कि तुरंत किसानों को नुकसान की भरपाई की जाए। किसानों को उनके उत्पाद का पूरा पैसा नहीं मिलता, कृषि पदार्थोंकी कीमत औद्योगिक पदार्थोंके मुकाबले बहुत कम है, जो औद्योगिक क्रांति की देन है, यह विव्यापी समस्या है। खाद्यान्नों के अच्छे उत्पादन के बल पर ही सरकार के लिए संभव है कि 80 करोड लोगों को मुफ्त राशन दिया जा रहा है, दूसरे देशों को भी निर्यात किया जाता है। किसानों की आय दुगनी करने के लिए सरकार ने जो वादे किए हैं, उनको अमल में लाने की आवश्यकता है।

देश में जलवायु परिवर्तन– नई नीति की दरकार

राकेश दुबे

और भारतीय रिजर्व बैंक के मार्च बुलेटिन में प्रकाशित एक अध्ययन में भी एक गंभीर चिंता जताई गई है, जो देश में वर्षा के वितरण में तेजी से आ रहे बदलाव और खाद्यान्न फसलों पर इसके असर से जुड़ी है। अध्ययन कहता है कि भारतीय कृषि अब भी काफी हद तक मॉनसून पर निर्भर है। आधुनिक सिंचाई सुविधाओं के विस्तार और जलवायु परिवर्तन से बेअसर रहने वाले नई किस्मों के बीज तैयार होने से राहत तो मिली है मगर मॉनसूनी बारिश अब भी निर्णायक होती है। दक्षिण–पश्चिम मॉनसून के दौरान होने वाली वर्षा खरीफ सत्र में कृषि उत्पादन के लिए बेहद जरूरी है।

वर्षा का तरीका बदलने या सूखे जैसी स्थिति से फसल उगाने का चक्रबिगड़ जाता है और कीटों एवं पौधों से जुड़ी बीमारियों की समस्या भी बढ़ जाती है। पर्याप्त और समान वर्षा होने से कृषि उत्पादकता बढ़ जाती है। मॉनसून में अच्छी बारिश रबी सत्र के अनुकूल होती है। मिट्टी में पर्याप्त नमी रहने और जलाशयों में पानी का स्तर अधिक रहने से गेहूं, सरसों और दलहन जैसी फसलों की बोआई के लिए आदर्श स्थिति तैयार होती है।खरीफ सत्र में मोटे अनाज, तिलहन, दलहन और चावल की उपज में सालाना वृद्धि के आंकड़े देखें तो जिस साल दक्षिण पश्चिम मॉनसून सभी फसलों के लिए बेहतर रहा उस साल उत्पादन भी ज्यादा रहा। लेकिन अतिवृष्टि ने मक्के और तिलहन की उपज बिगाड़ी। अध्ययन में कहा गया है कि उत्पादन इस बात पर भी निर्भर करता है कि मॉनसूनी बारिश कब आती है। उदाहरण के लिए जून और जुलाई में कम बारिश मक्का, दलहन और सोयाबीन के लिए खास तौर पर नुकसानदेह होती है क्योंकि मिट्टी में नमी कम होने के कारण बोआई अटक जाती है और पौधों की शुरुआती बढ़वार पर भी असर पड़ता है।इसी तरह कटाई के समय अत्यधिक वर्षा से तिलहन उत्पादन घट जाता है। पिछले साल मॉनसून में शानदार वर्षा और सटीक ठंड रहने से चालू वित्त वर्ष में फसलों का उत्पादन बेहतर रहने की उम्मीद है। अनुमान है कि पिछले साल के मुकाबले खरीफ का उत्पादन 7.9 प्रतिशत और रबी का 6 प्रतिशत बढ़ सकता है। भारतीय मौसम विभाग ने 2025 के लिए मॉनसून के अनुमान जारी नहीं किए हैं मगर विश्व मौसम विज्ञान संगठन का अनुमान है कि भारत में इस साल वर्षा सामान्य या इससे अधिक हो सकती है। ध्यान रहे कि जलवायु परिवर्तन के कारण बारिश के पैटर्न में आने वाले बदलाव कृषि उत्पादन पर ज्यादा असर डाल सकते हैं। मौसम की अतिरंजना अब अनोखी बात नहीं रह गई है। भारत में पिछले साल 365 में से 322 दिन मौसम की अति दिखी थी। इससे देश में 4.07 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में लगी फसलें प्रभावित हुईं। 2023 में 318 दिन मौसम ऐसा रहा था। जब तक इन प्रतिकूल परिस्थितियों से निपटने के लिए बहु–आयामी नीति नहीं अपनाई जाती है तब तक ऐसी घटनाएं बढ़ती ही रहेंगी।पिछले साल कम और असमान वर्षा के कारण गर्म हवा और बाढ़ की 250 घटनाएं सामने आईं। जलवायु परिवर्तन की वजह से बढ़ते तापमान और बाढ़ के कारण फसलों का उत्पादन घटने और इनमें पोषक तत्व कम होने का खतरा बढ़ता जा रहा है। बदलती परिस्थितियों को देखते हुए जलवायु के अनुकूल कृषि कार्यों की तरफ कदम बढ़ाना आवश्यक हो गया है। कृषि में जलवायु परिवर्तन सहने की क्षमता रखने तौर–तरीके, नालियों की प्रणाली में सुधार, बाढ़ एवं सूखा प्रबंधन और तकनीक अपनाकर कृषि क्षेत्र में क्षमता एवं टिकाऊपन बढ़ाया जा सकता है।

लंबे अरसे के लिए जल प्रबंधन पर भी हमें सतर्क रहना होगा। जैविक या रसायन रहित कृषि के बजाय प्राकृतिक कृषि को प्रोत्साहित करना होगा। इससे अलग–अलग मियाद वाली विविध फसलों से किसानों की आय ही नहीं बढ़ती बल्कि मिट्टी की गुणवत्ता भी बढ़ती है। कुल मिलाकर भारत को जलवायु परिवर्तन का प्रभाव कम करने और अनुकूल रणनीति अपनाने के लिए काम करना होगा।

प्रदूषण की विकट होती समस्या

अखिलेश आर्येन्दु

प्रदूषण की विकट होती समस्या के समाधान के लिए विश्व स्तर पर रिसर्च, प्रयोग, अध्ययन और उनसे निकले निष्कषरे पर दुनिया के तमाम देशों में कार्य हुए हैं, लेकिन समाधान की दिशा में प्रयास अभी भी नाकाफी हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि सदी के अंत तक पर्यावरण प्रदूषण और धरती के बढ़ते तापमान से ताल्लुक रखने वाली तमाम समस्याओं को पूरी तरह खत्म करना मुमकिन नहीं है। धरती के तापमान को 2 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा होने से रोकने के मद्देनजर कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को सीमित करने की सहमति पर पहली बार 2016 के जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में सम्मेलन में बनी थी।

वैज्ञानिक कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा हटाने के लिए धरती की सतह पर चट्टानों के रासायनिक विघटन के जरिए हवा से कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा को स्वाभाविक रूप से हटाना जरूरी कहते हैं। 2016 में लेवरहुल्मे सेंटर फॉर क्लाइमेंट चेंज मिटिगेशन के निदेशक डेबिड बियरलिंग दे एक खेती तकनीक विकसित करने के बारे में बात की थी। इससे फसलों को फायदा पहुंचने की बात भी की गई। हवा से कार्बन डाइऑक्साइड सोख कर उसका बेहतर इस्तेमाल करने की यह नई पहल पहली बार बड़े स्तर पर की गई थी। अमेरिका में हर साल 7 मिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड की खपत होती है। इसी तरह कैलिफोर्निया के ट्रेसी शहर में एक विशाल नये गोदाम के अंदर भूरे रंग के पाउडर से भरी ट्रे के उंचे–उंचे टावर लगे हुए हैं जो देखने में बहुत सुंदर लगते हैं। हीरामूल कंपनी के जरिए ये टावर लगाए गए हैं। ये हवा से कार्बन डाइऑक्साइड सोखने का कार्य करते हैं। चूना पत्थर का इस्तेमाल करके हवा से कार्बन डाइऑक्साइड को सीधे हवा से हटाने और इसे गहराई से संग्रहीत करने कर पर्यावरण प्रदूषण हटाया जाता है। दुनिया के कई देशों में कार्बन डाइऑक्साइड हवा से हटाने और इसका बेहतर उपयोग कर कई तरह के निर्माण के कार्य किए जा रहे हैं।दुनिया के वैज्ञानिकों और राज नेताओं ने इस तरह के सबसे महत्त्वपूर्ण कार्य को अहमियत दी है। इस कार्य में निजी और सरकारी, दोनों स्तरों पर कोशिशें की जा रही हैं। इसी तरह स्विस कंपनी इन्शिोर के जरिए जिस यांत्रिक पेड़ का निर्माण हुआ है, वह कार्बन डाइऑक्साइड सोखने की दिशा में कारगर माना जा रहा है। 2022 से ही इस कंपनी का यह संयंत्र काम कर रहा है। उत्तरी सागर में समुद्र तल से एक मिलोमीटर नीचे, ऊर्जा का कंपनी इनिशेर 1996 से एक गैस प्रसंस्करण संयंत्र कार्बन डाइऑक्साइड को संग्रहीत कर रही है। हर साल दस लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड का भंडारण कर रही है। यह तकनीक किस तरह लाभकारी हो सकती है, इस पर वैज्ञानिक लगे हुए हैं। कार्बन डाइऑक्साइड की संग्रहीत मात्रा पर वैज्ञानिकों का कहना है कि कार्बन लूप को बंद करने के लिए सीधे हवा का संग्रहण कर इसका उपयोग तरह–तरह के निर्माण कार्य में करने की तकनीक आ चुकी है। इसके अनुसार संग्रहीत कार्बन डाइॲक्साइड को अक्षय ऊर्जा से बनाए गए ग्रीन हाइड्रोजन के साथ मिलाकर कार्बन डाइऑक्साइड को सिंथेटिक ईधन–गैसोलीन, डीजल, बिजली या केरोसिन में बदलने का कार्य चल रहा है। यह ऊर्जा स्त्रोत के बड़े विकल्प के रूप में भी देखा जा रहा है। क्लाइमक्र्स वाणिज्यिक रूप से प्रत्यक्ष संग्रहीत करने वाली दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी है।

दुनिया में धरती पर दूसरा सबसे अधिक खनन किए जाने वाले पदार्थ–हवा से कार्बन सोखने का है। जलवायु परिवर्तन से प्राणियों पर पडऩे वाले असर को कम करने के लिए तमाम देश शिद्दत कोशिश में लगे हैं लेकिन अभी इसमें वक्त लगेगा। इस विधि से प्रति वर्ष 1,000 मीट्रिक टन कार्बन डाइऑक्साइड संयंत्र के जरिए संग्रहीत किया जा सकता है। कंपनी को उम्मीद है कि 2035 तक 1 बिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड को हटाना संभव हो सकेगा। माइक्रोसॉफ्ट कंपनी ने 315,000 मीट्रिक टन कार्बन डाइऑक्साइड को सोखने के लिए हीरलूम के साथ दीर्घकालिक समझौता किया है। लेकिन नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी के पृथ्वी और ग्रह वैज्ञानिक ब्रेड रोडमैन का कहना है, 'वायुमंडल बड़ा है, और वायु संग्रहण जितना होना चाहिए उसके मुकाबले बहुत कम है। लेकिन जलवायु संकट के लिए हर संभव समाधान का पीछा करना महत्त्वपूर्ण है'। हवा से सीधे कार्बन डाइऑक्साइड संग्रहीत करने का कार्य बड़े स्तर पर हो रहा है। अमेरिका, रूस, भारत, स्वीडन, फ्रांस और तमाम देशों में अलग–अलग तकनीकों के जरिए पर्यावरण प्रदूषण की समस्या दूर करने के लिए हवा से कार्बन संग्रहीत करने का कार्य किया जा रहा है जिसमें बड़े पैमाने पर पूंजी निवेश भी किया जा रहा है, लेकिन प्रदूषण जिस स्तर पर है, उस स्तर पर अभी पूंजी निवेश नहीं हो पा रहा है। ऐसे में जरूरी है कि जलवायु सम्मेलनों, पृथ्वी सम्मेलनों और पर्यावरण बचाओ जैसे अभियानों मे तेजी लाई जाए।

पहरेदारी बहुत हुई..अब होगा प्रहार

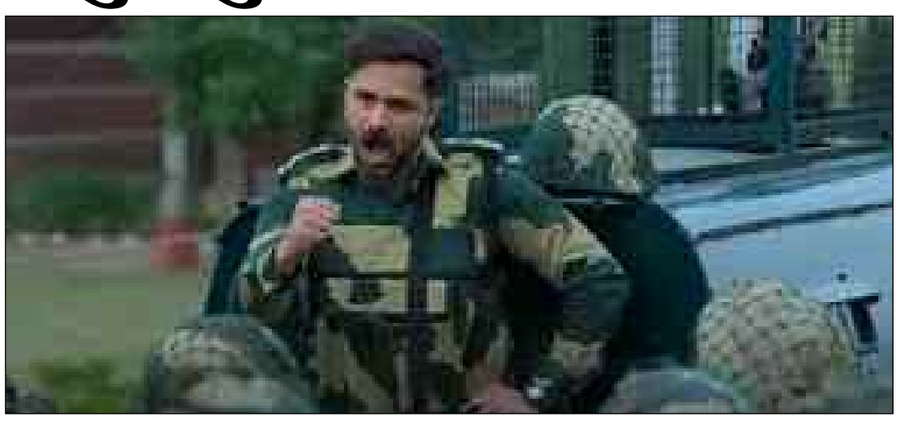

बॉलीवुड के सीरियल किसर इमरान हाशमी की नई वार ड्रामा फिल्म ग्राउंड जीरो का टीजर रिलीज हो गया है. ग्राउंड जीरो के टीजर में इमरान हाशमी को आर्मी की वर्दी में देखा जा रहा है. इमरान हाशमी के बर्थडे को फिल्म का एलान कर एक पोस्टर जारी किया गया था और साथ ही टीजर की भी जानकारी दी गई थी. फिल्म ग्राउंड जीरो को तेजस डियोस्कर ने डायरेक्ट किया है. यह फिल्म कश्मीर पर बेस्ड है, जिसमें सच्ची घटनाओं के दिखाया जाएगा. फिल्म ग्राउंड जीरो अप्रैल 25 में रिलीज होने जा रही है. फिल्म ग्राउंड जीरो के टीजर की बात करें तो यह इसकी शुरुआत आतंकी ग्रुप जैश–ए–मोहम्मद के सीन से शुरूहोती है, जो देश के प्रधानमंत्री को कश्मीर को स्वतंत्र करने की धमकी दे रहा है. इसके बाद वीडियो में भारतीय वीर जवानों पर हमला होते दिखाया जा रहा है, जिसमें 70 जवानों को घुटने के बल देखा जा रहा है. इसके बाद टीजर में इमरान हाशमी की बतौर बीएसएफ डिप्टी कमांडेंट नरेंद्र नाथ दुबे एंट्री होती है. दुबे ने 2003 में आतंकवादी सरगना गाजी बाबा को मार गिराने वाले अभियान का नेतृत्व किया था और उन्हें 2005 में राष्ट्रपति ए.पी.जे. अब्दुल कलाम द्वारा कीर्ति चक्रसे सम्मानित किया गया था. टीजर का अंत इमरान हाशमी के रोल से होता है, ज पूछता है, सिर्फ कश्मीर की जमीन हमारी है या यहां के लोग भी? इमरान ने भी खुद अपनी अपकमिंग फिल्म का टीजर सोशल मीडिया पर शेयर किया है और कैप्शन में लिखा है, बहादुरी, त्याग, एक ऐसा मिशन जिसने सबकुछ बदलकर रख दिया, ग्राउंड जीरो टीजर रिलीज हो चुका है,

मोहाली के झंझेडी गांव के अश्विनी कुमार पर बरसेगा पैसा ही पैसा!

नई दिल्ली। मोहाली के झंझेडी गांव के अश्विनी कुमार ने मुंबई इंडियंस की तरफ से आईपीएल में डेब्यू किया। अपने डेब्यू मैच में केकेआर के खिलाफ खेले गए मैच में उन्होंने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट लिए और हर किसी को अपना दीवाना बना दिया।

अश्विनी ने अपने डेब्यू मैच में पहली ही गेंद पर अजिंक्य रहाणे को अपना शिकार बनाया। उन्होंने उनके अलावा रिंकू सिंह, मनीष पांडे और आंद्र रसेल को भी चलता किया। मैच में धांसू प्रदर्शन करने के बाद अश्विनी की खूब चर्चा हो रही हैं।

ऐसे में फैंस उनके स्ट्रगल स्टोरी और उनकी नेटवर्थ को करीबी से जानना चाहते हैं।

'खिलाड़ियों के प्रति अन्याय जारी', रोवमैन पॉवेल को कप्तानी से हटाने पर भड़क गए पूर्व ऑलराउंडर

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो ने अपने देश के क्रिकेट बोर्ड पर अपने खिलाड़ियों का अनादर करने का आरोप लगाया। रोवमैन पॉवेल को टी20 कप्तानी से हटाया गया। पॉवेल ने 37 मैचों में विंडीज का नेतृत्व किया। हालांकि, वह पिछले साल घरेलू टी20 विश्व कप में खिताब नहीं जीत पाए थे। मेंस टीम सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करने में विफल रही। शाई होप अब वेस्टइंडीज के व्हाइट–बॉल कप्तान होंगे जबकि वनडे में अपनी भूमिका जारी रखेंगे, उन्होंने हाल के दिनों में दोनों प्रारूपों में अच्छा प्रदर्शन किया है। ब्रावो ने कहा कि पॉवेल ने उस समय भूमिका निभाई जब दो बार के विश्व चैंपियन टी20क में नौवें स्थान पर थे और उन्हें तीसरे स्थान पर ले गए।

ब्रावो ने इंस्टाग्राम पर लिखी दिल की बात

ब्रावो ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, "क्रिकेट वेस्टइंडीज, एक बार फिर आप लोगों ने कैरेबियाई लोगों और क्रिकेट जगत को साबित कर दिया है कि खिलाड़ियों के साथ अन्याय जारी है! एक पूर्व खिलाड़ी और वेस्टइंडीज़ क्रिकेट के फैंस के रूप में यह निश्चित रूप से अब तक का सबसे खराब फैसला है। रोवमैन पॉवेल ने उस समय कप्तानी संभाली जब हमारी टी20 टीम 9वें स्थान पर थी। वह रैंकिंग में तीसरे स्थान पर ले गए। इस तरह से आप लोगों ने खिलाड़ियों के साथ उनके बुरे व्यवहार का बदला चुकाया, यह कब रुकेगा!

एल2 एम्पुरान कलेक्शन डे 3: भारत में 50 करोड़ के करीब पहुंची मोहनलाल की फिल्म

मोहनलाल की एल2 एम्पुरान ने 27 मार्च को दुनियाभर में सिनेमाघरों में दस्तक दी और 2 दिन में ही वर्ल्डवाइड 100 करोड़ का आंकड़ा पार करके मलयालम सिनेमा का नाम ऊंचा कर दिया. मोहनलाल और पृथ्वीराज स्टारर एल2 एम्पुरान ने एडवांस बुकिंग में तो जमकर कमाई की ही वहीं अब बॉक्स ऑफिस पर भी यह फिल्म धुआंधार कमाई कर रही है. तीसरे दिन घरेलू कलेक्शन में फिल्म 50 करोड़ का आंकड़ा पार करने के बेहद करीब है. दूसरी ओर आज 30 मार्च को सिनेमाघरों में सलमान खान की सिकंदर एम्पुरान को टक्कर देने उतर रही है. मोहनलाल स्टारर ने दुनियाभर में 67.50 करोड़ की जबरदस्त ओपनिंग की वहीं दो दिनों में वर्ल्डवाइड 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया. घरेलू कलेक्शन की बात करें तो भारत में फिल्म ने 21 करोड़ के साथ ओपनिंग की और दूसरे दिन 11.5 करोड़ कमाए.

एथनिक लुक में कहर बरपाती दिखीं मौनी रॉय

बॉलीवुड एक्ट्रेस मौनी रॉय आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींचती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर अवतार देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं। एक्ट्रेस मौनी रॉय अक्सर अपनी ग्लैमरस अदाओं से फैंस को अपने हुस्न का कायल बनाती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से छा जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस मौनी रॉय ने बेहद ही खूबसूरत तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं। फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस मौनी रॉय ने व्हाइट कलर का बेहद ही खूबसूरत सूट पहना हुआ था, जिसमें वो एक से बढ़कर एक कातिलाना अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।

मुंबई इंडियंस देश के कोने–कोने से खोजकर लाती है युवा प्रतिभाएं

नई दिल्ली। आईपीएल की सबसे सफल टीमों में से एक मुंबई इंडियंस सिर्फ ट्रॉफी जीतने के लिए ही नहीं बल्कि युवा प्रतिभाओं को देश के कोने–कोने से खोजकर लाने के लिए जानी जाती है। मुंबई इंडियंस स्काउटिंग टीम ने पिछले कुछ सालों में एक से बढ़कर एक प्लेयर की खोज की है। इन प्लेयर्स ने ना सिर्फ मुंबई इंडियंस को खिताब जिताने में मदद की बल्कि इंटरनेशनल क्रिकेट में भी झंडे गाड़े। आईपीएल के 18वें सीजन में भी मुंबई इंडियंस ने 3 युवाओं को प्लेइंग 11 में जगह दी। अपनी प्रदर्शन से ये गुमनाम खिलाड़ी रातों–रात स्टार बन गए हैं। आइए ऐसे प्लेयर्स के बारे में जानते हैं, जिन्हें मुंबई इंडियंस ने फर्श से अर्श पर पहुंचा दिया।

हार्दिक पांड्या–क्रुणाल पांड्या

मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या और उनके भाई क्रुणाल पांड्या टक स्काउट्स की खोज हैं। मुंबई ने 2015 में 10,000 अमेरिकी डॉलर में हार्दिक को खरीदा था। स्काउटिंग टीम ने उन्हें बड़ौदा में स्थानीय टी20 टूर्नामेंट खेलते हुए देखा था। मुंबई इंडियंस की मालिक नीता अंबानी ने हाल ही में खुलासा किया था कि हार्दिक और उनके भाई क्रुणाल सिर्फ नूडल्स खाकर गुजारा कर रहे थे। 2015, 2017, 2019 और 2020 में जब मुंबई ने खिताब जीता तो हार्दिक का अहम योगदान था। वह भारतीय टीम का अहम हिस्सा हैं। क्रुणाल 2016 में फ्रेंचाइजी में शामिल हुए और 2019 के फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

जसप्रीत बुमराह

टीम इंडिया की गेंदबाजी की रीढ़ बन चुके जसप्रीत बुमराह को मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2013 में मौका दिया था। पहले ही सीजन में बुमराह ने कमाल कर दिया। अपने डेब्यू पर उन्होंने 3/32 प्रदर्शन किया। इसके बाद बुमराह ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। इन दिनों वह भारत ही नहीं दुनिया के बेस्ट गेंदबाज हैं। बुमराह वर्तमान में कउउ टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में टॉप पर हैं।

तिलक वर्मा

हैदराबाद के इस युवा खिलाड़ी को 2022 सीजन में मुंबई ने चुना। इसके बाद से ही वह टीम के अहम प्लेयर बन गए हैं। वर्मा ने 2023 सीजन में शानदार प्रदर्शन के बाद इंटरनेशनल डेब्यू किया। अब वह टी20क टीम का परमानेंट हिस्सा बन गए हैं। आने वाले सालों में वह तीनों फॉर्मेट में भारतीय टीम का अहम मेंबर बन सकते हैं।

नेहल वढेरा

पंजाब के आक्रामक बल्लेबाज नेहल वढेरा को मुंबई इंडियंस की स्काउटिंग टीम ने आईपीएल 2023 सीजन में डेब्यू करने के लिए चुना। वढेरा को उनकी शानदार छक्के मारने की क्षमता के लिए जाना जाता है। इसके कारण ही उनकी तुलना युवराज सिंह से होती। वह मुंबई के लिए 2 सीजन खेले और 16 पारियों में 350 रन बनाए। पंजाब किंग्स ने नेहल वढेरा को 18वें सीजन के लिए 4.2 करोड रुपये में खरीदा है।

एक नजर

एक हजार करोड़ के विक्रय लक्ष्य को किया पार

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भारत सरकार के उपक्रम भारत इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड की कोटद्वार इकाई ने महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए वित्तीय वर्ष 2024-25 में एक हजार करोड़ के विक्रय लक्ष्य को पार किया है। मंगलवार को यह जानकारी देते हुए इकाई महाप्रबंधक अंबरीष त्रिपाठी ने बताया कि कोटद्वार में इकाई की स्थापना 1988 में की गई थी। बताया कि इकाई ने सेना, वायुसेना, अर्द्ध सैनिक बलों और पुलिस के लिए विभिन्न उत्पादों में गुणवत्ता को बनाए रखा, इसलिए इकाई एक हजार करोड़ के विक्रय लक्ष्य को पार कर पाई है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए इकाई के सभी कर्मचारियों और अधिकारियों को शुभकामनाएं दीं हैं।

चारधाम यात्रा मार्ग पर सभी व्यवस्थाएं जुटाएं : डीएम

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिलाधिकारी डा. आशीष चौहान ने वर्चुअल माध्यम से मंगलवार को चारधाम यात्रा की तैयारियों की समीक्षा बैठक ली। कहा कि यात्रा ड्यूटी में तैनात अधिकारी और कर्मचारी यात्रियों के साथ अच्छा व्यवहार करें और उन्हें यात्रा से संबंधित हर गतिविधियों की जानकारी दें। उन्होंने संबंधित विभागों के अफसरों को समय पर यात्रा संबंधी सभी व्यवस्थाएं पूरी करने के निर्देश दिए। डीएम ने चारधाम यात्रा की समीक्षा के दौरान यात्रा मार्गों पर पेयजल, शौचालय, स्ट्रीट लाइट सहित अन्य व्यवस्थाएं समय से जुटाने के निर्देश दिए।

जन—सामान्य तक पहुंचाया जाए योग : शर्मा

नई टिहरी। केंद्रीय संस्कृत विवि के श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर में आयोजित कार्यशाला में योग का लाभ जन–सामान्य तक पहुंचाने के सूत्रों पर मंथन किया गया। योग विशेषज्ञों ने कहा कि योग का महत्त्व लगातार बढ़ रहा है। एलोपैथी के साथ योग का समन्वय आवश्यक है। सतत चिकित्सा शिक्षा नामक इस कार्यशाला के समापन पर देश के योग विशेषज्ञों ने कहा कि योग को आधुनिक ढांचे में ढालकर समाज के हर व्यक्ति तक पहुंचाना होगा। समापन समारोह में प्रतिष्ठित योगाचार्य व पूर्व चेयरमैन ह्यूमन कॉन्शियसनेस डिपार्टमेंट मंगलौर विश्वविद्यालय के प्रो. के कृष्ण शर्मा ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा के अहम भाग योग को चिकित्सा क्षेत्र की मुख्य धारा में लाया जाना चाहिए। परिसर निदेशक प्रो. पीवीबी सुब्रह्मण्यम ने कहा कि योग विद्या का उपयोग लोगों के स्वास्थ्य व कार्यक्षमता वृद्धि में किया जाना चाहिए। समारोह में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए और ज्ञान संगम से प्राप्त योग, अध्यात्म एवं चिकित्सा शिक्षा के महत्वपूर्ण पहलुओं को समाज तक पहुंचाने का आग्रह किया गया। कार्यशाला भारत के दस विवि एवं केंद्रीय संस्कृत विवि के 12 परिसरों से पहुंचे प्राध्यापकों ने योग एवं चिकित्सा के क्षेत्र में नई शिक्षण विधियों और आधुनिक शोधों पर व्यापक चर्चा की।

संघ के स्वयंसेवक समाज में जागृत कर रहे चेतना

नई टिहरी। सरस्वती विद्या मंदिर में आयोजित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तीन दिवसीय प्रारंभिक वर्ग का मंगलवार को समापन हो गया। इस प्रशिक्षण वर्ग में स्वयंसेवकों को शारीरिक और बौद्धिक जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र में जिला कार्यवाह जगतमणि पैन्यूली ने संघ के कार्यों और राष्ट्र निर्माण के प्रति उसकी प्रतिबद्धता के बारे में बताया। उन्होंने पंच प्रण जैसे सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण और नागरिक कर्तव्यों पर जोर दिया। सह विभाग कार्यवाह संजीव भट्ट ने संघ के संस्थापक डॉ. केशवराव बलिराम हेडगेवार के जीवन पर प्रकाश डाला। समापन सत्र में नगर संघचालक सतीश थपलियाल ने संघ के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि संघ में भगवा ध्वज ही गुरु है। 56 स्वयंसेवकों को शारीरिक गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया गया।

प्रावि कफोलगांव में वार्षिकोत्सव मनाया

नई टिहरी। भिलंगना ब्लॉक के राजकीय प्राथमिक विद्यालय कफोलगांव में वार्षिकोत्सव समारोह बड़े धूमधाम से मनाया गया। भिलंगना ब्लॉक के बासर पट्टी स्थित कफोलगांव में वार्षिकोत्सव समारोह में मुख्य अतिथि प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष चंद्रवीर नेगी व विद्यालय प्रधानाध्यापक सतेंद्र बिष्ट ने दीप प्रज्वलित कर वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष महावीर धनियाल व राखी धनियाल ने स्थानीय क्षेत्र के तमाम विद्यालय के छात्र–छात्राओं की सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन कर प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान हासिल करने वाले छात्र छात्राओं को पुरस्कृत किया।

खूंखार हुए बंदर व कुत्ते, बढ़ने लगी लोगों की चिंता

कोटद्वार नगर निगम क्षेत्र में घूमते बंदर

इन स्थानों पर अधिक समस्या

नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत कालाबड़, शिवपुर, मानपुर, काशीरामपुर, सनेह, ग्रास्टनगंज, दुर्गापुरी सहित भाबर क्षेत्र के कई वार्डों में लगातार कुत्तों व बंदरों का आतंक बढ़ता जा रहा है। कुछ माह पूर्व गोविंदनगर में बंदरों के हमले से बचने के दौरान एक व्यक्ति छत की सीढ़ियों से नीचे गिर गया था। जिसे बेस अस्पताल में भर्ती करवाया गया। वहीं, झंडीचौड़ में छत पर कपड़े सुखाने गई महिला पर बंदर ने हमला कर दिया था। भाबर क्षेत्र में बाइक सवार एक युवक को कुत्ते ने काट लिया था।

पिछले एक माह के आंकड़े

पिछले एक माह में बेस अस्पताल में कुत्तों के काटने के 300, बंदरों के काटने के 20, बिल्ली के काटने के 15 मामले पहुंचे। वहीं नहीं यह आंकड़ा दिन प्रतिदिन लगातार बढ़ता जा रहा है। शहरवासियों ने नगर निगम व वन विभाग से आवारा कुत्तों व बंदरों के आतंक से निजात दिलवाने की मांग की है। कुछ सप्ताह पूर्व दुर्गापुरी के वार्डवासियों ने इस संबंध में तहसील में धरना भी दिया था। लेकिन, हालात जस के तस बने हुए हैं।

बेस अस्पताल में प्रतिदिन पहुंच रहे बंदर व कुत्ते के काटने के मामले

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : शहर में लगातार खूंखार हो रहे बंदर व आवारा कुत्ते आमजन के लिए मुसीबत बनते जा रहे हैं। हालत यह है कि बेस अस्पताल में एक माह के भीतर तीन सौ से अधिक कुत्ते व बंदर के काटने के मामले पहुंच चुके हैं। सबसे अधिक परेशानी स्कूल जाने वाले बच्चों को हो रही है। शिकायत के बाद भी सरकारी सिस्टम समस्या को लेकर लापरवाह बना हुआ है।

कोटद्वार नगर निगम क्षेत्र में शायद ही कोई ऐसा वार्ड हो जहां उत्पाती बंदर व आवारा कुत्ते न दिखाई दें। सुबह से ही बंदर घरों में उत्पात मचाना शुरू कर देते हैं। बंदरों के कारण वार्डवासियों का अपने घरों की छत पर कपड़े व अनाज सुखाना भी मुश्किल हो गया है।

वहीं, गलियों में घूम रहे आवारा कुत्ते भी चुनौती बन रहे हैं। गलियों में घूम रहा आवारा कुत्तों का झुंड राह चलते लोगों के लिए मुसीबत बन रहे हैं। वार्डवासी सुनीता देवी, अर्चना देवी ने बताया कि कुत्तों व बंदरों के डर से बच्चों ने घर के बाहर खेलना भी छोड़ दिया है। अभिभावकों को अपने बच्चों को स्कूल भेजने व लेने के लिए, साथ में जाना पड़ रहा है। वहीं नहीं बंदरों ने तो घरों के बाहर खेतों में लगाई गई साग-सब्जियों को भी बर्बाद कर दिया है। दरवाजे खुले होने पर बंदरों का झुंड घर के अंदर पहुंच जाता है।

साइबर के शिकार लोगों के खातों में वापस दिलवाई रकम

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पुलिस के लाख प्रयासों के बाद भी साइबर ठगी थमने का नाम नहीं ले रही। कोटद्वार क्षेत्र में साइबर ठगी कर चार व्यक्तियों के खाते से निकाली गई रकम को पुलिस ने वापस दिलवाया है। इस दौरान पुलिस ने आमजन को साइबर अपराध के प्रति जागरूक रहने की सीख भी दी। मामले में कोटद्वार निवासी नदीम, शमा, कालाबाटी निवासी नीरज, पदमपुर निवासी स्वाति की ओर से पुलिस को तहरीर दी गई थी। जिसमें उन्होंने बताया था कि अलग-अलग प्रलोभन देकर साइबर ठगों ने उनके खाते से रकम ठग ली है। नदीम ने बताया था कि उन्हें आनलाइन जॉब दिलवाने के नाम पर 54 हजार रुपये ठगे गए। शमा ने बताया था कि उनसे ई-श्रम के नाम पर नौ हजार 449 रुपये ठगे गए। कलालघाटी निवासी नीरज ने बताया था कि इंस्टाग्राम आईडी रिकवर करने के नाम पर उनसे दस हजार रुपये की ठगी की गई। जबकि, पदमपुर निवासी स्वाति से आनलाइन खरीदारी के नाम पर छह हजार पांच सौ चालीस रुपये की ठगी हुई। पुलिस ने बैंक से संपर्क कर रकम को वापस दिलवा दिया है।

मतदान सूची ने नाम काटे जाने पर कांग्रेस ने जताया रोष

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : मेरा वोट-मेरा अधिकार अभियान के तहत जिला कांग्रेस कमेटी मतदान सूची से मतदाओं के नाम काटे जाने की समीक्षा कर रही है। जिसके तहत कुछ लोगों के नाम काटे जाने की पुष्टि हुई है। पदाधिकारियों ने कहा कि पूर्व में मतदाता वोट करते हुए आ रहे हैं। लेकिन, इस बार नगर निगम की सूची से उनका नाम काट दिया गया।

जिलाध्यक्ष विनोद डबराल के नेतृत्व में मालवीय उद्यान स्थित कार्यालय में बैठक का आयोजन किया गया। सदस्यों ने कहा कि नगर निगम में कई लोगों के मतदान सूची से नाम काट दिया गया था। कहा कि मेरा वोट-मेरा अधिकार अभियान के तहत अभी तक चार सौ मतदाताओं के नाम काटे जाने के साक्ष्य जुटा लिए गए हैं। कहा कि जिन लोगों के नाम मतदाता सूची से काटे गए हैं। वे लोग अभी भी अपने वार्डों के निवास स्थानों में रह रहे हैं। लेकिन, नगर निगम चुनाव में मतदाता सूची से उनके नामों को काट दिया गया था, जिससे वे लोग मतदान करने से वंचित रह गए थे। कहा कि नगर निगम चुनाव में लगभग दस हजार मतदाताओं के नामों को मतदाता सूची से काटा गया है।

जिनकी जांच के लिए कांग्रेस कार्यकर्ता घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क कर रहे है। कहा कि नगर निगम में व्यापक स्तर पर नाम काटने वाले जिम्मेदार अधिकारियों की खिलाफ कड़ी कार्यवाही करवाई जाएगी। इस मौके पर पूर्व प्रदेश महामंत्री रंजना रावत, बलबीर सिंह रावत, रमेश चंद्र खंतवाल, दलीप रावत, गोपाल गुसाईं, शीला भारती, बिमलेश नेगी, लक्ष्मी चौहान, नरेंद्र सिंह नेगी, मनोज बिष्ट, शैलेंद्र सिंह रावत, चंद्रमोहन रावत, कृपाल सिंह नेगी, प्रदीप नेगी, योगेंद्र सिंह चौहान, गब्बर सिंह मौजूद रहे।

सात दिन में ब्लॉक डेवलपमेंट प्लान तैयार करें : डीएम

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने त्वरित समाधान दल के अंतर्गत विभिन्न विभागों द्वारा की गई कार्रवाई की समीक्षा की।

बैठक में उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि चल रहे कार्यों को शीघ्रता से पूरा किया जाए और योजनाओं का लाभ जनसमूह तक पहुंचायें। डीएम ने विकासखंडों में स्थानों के अनुसार अलग-अलग प्लानिंग करके सात दिनों में ब्लॉक डेवलपमेंट प्लान तैयार करने को कहा।

समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने अर्थ एवं संख्या अधिकारी को निर्देश दिए कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के पूर्ण, अपूर्ण व प्रारंभ नहीं हुए कार्यों की रिपोर्ट एक सप्ताह में प्रस्तुत की जाए। साथ ही वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए अति महत्वपूर्ण कार्यों की सूची भी प्रस्तुत करें। इसके साथ ही वन विभाग को वनाग्नि रोकथाम के लिए जन जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। वहीं जल संस्थान व जल निगम को पेयजल आपूर्ति के लिए पर्याप्त टैंकरों की व्यवस्था और टैंकों की सफाई के निर्देश दिए।

इसके अलावा जिलाधिकारी ने जिला विकास अधिकारी को निर्देश दिए कि जिन विकासखंडों में लोग स्वरोजगार के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं, उनकी सूची तैयार कर प्रस्तुत करें। बैठक में पीडी डीआरडीए विवेक कुमार उपाध्याय, जिला विकास अधिकारी मनविंदर कौर, उपजिलाधिकारी श्रीनगर नूपुर वर्मा, कोटद्वार के एसडीएम सोहन सिंह सैनी, आरटीओ अरविंद पांडे, जिला समाज कल्याण अधिकारी रोहित सिंह, अर्थ एवं संख्याधिकारी राम सलोने, एसडीओ वन लक्की शाह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

अनुसूचित जाति के छात्रों को मिलेगी नि:शुल्क आवासीय सुविधा

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : समाज कल्याण विभाग द्वारा अनुसूचित जाति के गरीब एवं निर्धन छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा में सफलता प्राप्त करने के लिए निःशुल्क आवासीय सुविधा (छात्रावास) प्रदान की जा रही है।

जिला समाज कल्याण अधिकारी रोहित सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद में अध्यनरत अनुसूचित जाति के गरीब छात्र-छात्राएं के लिए उच्च शिक्षा हेतु निःशुल्क आवासीय सुविधा दी जा रही है। बताया कि बालिकाओं के लिए डिग्री कॉलेज कैंपस, पौड़ी व बालकों के लिए राजकीय डॉ. बी.आर. अंबेडकर बालक छात्रावास कोटद्वार रोड पौड़ी में निःशुल्क आवासीय सुविधा दी जाएगी। उन्होंने बताया कि यह योजना अनुसूचित जाति वर्ग के छात्रों के लिए है, जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं और शिक्षा के क्षेत्र में अपनी यात्रा को बेहतर बनाना चाहते हैं।

प्रशासन ने कॉपी-किताबों की दुकानों में की छापेमारी, नहीं मिला जीएसटी में पंजीकरण

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : मंगलवार को प्रशासन व शिक्षा विभाग की टीम ने शहर में कॉपी-किताबों की दुकानों में छापेमारी की। इस दौरान कई व्यापारियों ने अपना जीएसटी में पंजीकरण नहीं करवाया था। यही नहीं कॉपी-किताब बेचने वालों के पास स्टॉक रजिस्टर भी नहीं था। टीम ने व्यापारियों को नियमों के विरुद्ध कार्य करने पर कार्रवाई की भी चेतावनी दी।

स्कूलों में नया सत्र प्रारंभ हो चुका है। ऐसे में अभिभावक कॉपी-किताबों की दुकानों में पहुंचकर अपने बच्चों के लिए खरीदारी कर रहे हैं। शहर के छोटी से लेकर बड़ी पुस्तकों की दुकान में अभिभावकों की भीड़ देखने को मिल रही है। लेकिन, कई पुस्तक विक्रेता किताब व कापी बेचने में नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं। मंगलवार को उपजिलाधिकारी सोहन सैनी के नेतृत्व में टीम ने पुस्तक

दुकानों में छापेमारी करती टीमें

बेचने वाले प्रतिष्ठानों में छापेमारी की। टीम को देख विक्रेताओं में अफरा-तफरी मच गई।

टीम ने व्यापारियों का स्टाक रजिस्ट्रर भी चेक किया। साथ ही जीएमटी नंबर की भी जांच हुई। अभियान के दौरान सामने आया कि कुछ विक्रेताओं का जीएसटी में पंजीकरण तक नहीं है। यही नहीं कुछ दुकान में बिना आईएसबीएन नंबर की पुस्तकें बिकने का मामला भी प्रकाश में आया। हालांकि, अभी इसकी जांच की जा रही है। अभियान के दौरान टीम ने नियमों का उल्लंघन कर पुस्तक बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी।

पति की दीर्घायु के लिए भगवान शिव व माता गौरी की हुई पूजा

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : गणगौर महोत्सव के तहत वैश्य अग्रवाल सभा की ओर से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें महिलाओं ने अपने दांपत्य जीवन व पति की दीर्घायु के लिए भगवान शंकर व माता गौरी की पूजा की।

मंगलवार को हिंदू पंचायती धर्मशाला में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पं. रामप्रकाश शर्मा ने भगवान शंकर व माता पार्वती की कथा सुनाई। उन्होंने कहा कि भगवान शिव को पति के रूप में पाने के लिए माता पार्वती ने कठोर तपस्या की थी।

चैत्र शुक्ल तृतीया को महाराज हिमाचल की पुत्री गौरा का विवाह भगवान शिव के साथ हुआ था। कहा कि अपने पति के लंबी उम्र व खुशहाल वैवाहिक जीवन के लिए महिलाएं गणगौर का व्रत को रखती है। इस मौके पर नवविवाहित बहु व बेटियां जिसमें साक्षी गर्ग, प्रियंका,

आयोजित कार्यक्रम में भाग लेती महिलाएं

तुशिका, पलक, रिया, सृष्टि, अनुप्रिया, अभिरिति, नीतिका, अशिता, निधि, वंशिका, सलोनी ने नृत्य की प्रस्तुतियां दी। इस मौके पर वैश्य अग्रवाल सभा के अध्यक्ष सुबोध गर्ग, नरेंद्र अग्रवाल, संदीप अग्रवाल, कुसुम गर्ग, अंजलि अग्रवाल, मीनाक्षी अग्रवाल, संजय मित्तल, प्रदीप मित्तल, विजय माहेश्वरी, लक्ष्मी अग्रवाल मौजूद रहे।

कीर्तन मंडलियों ने दी भजनों की शानदार प्रस्तुति

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : चैत्र नवरात्रि पर मंगलवार को मां भुवनेश्वरी मंदिर में देवी भागवत कथा और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों से मंदिर प्रांगण में भक्ति का माहौल बना रहा।

मंगलवार को जयलक्ष्मी मां कीर्तन मंडली सर्किट हाउस, चंदोला राई, राधाकृष्ण मंडली पौडी, शिवशक्ति कीर्तन मंडली सर्किट हाउस, नवदुर्गा कीर्तन मंडली घुडदौड़ी, नवदुर्गा कीर्तन मंडली च्वींचा, कीर्तन मंडली चराकोट ने भजनों की शानदार प्रस्तुतियां दी। प्रबंधन समिति के अध्यक्ष व सचिव दिगंबर जुयाल और सतीश जुयाल ने बताया कि हमारी संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किए जा रह है। कार्यक्रम के संचालक आचार्य नवीन ममगाई ने बताया कि लगभग 50 टीमें यहां पर प्रतिभाग कर रही है। मंदिर में मंगलवार को मध्यान्ह धुंयेल में श्रद्धालुओं ने मां का आशीर्वाद प्राप्त किया इसके बाद सभी ने व्यास पीठ पर आसीन वेद किशोर बेलवाल के मुख से देवी भागवत का श्रवण किया। कार्यक्रम में संयोजक वीरेंद्र जुयाल, स्थानीय समिति के अध्यक्ष नवीन जुयाल, सलाहकार अनुसूया प्रसाद, दिल्ली सभा के अध्यक्ष जनार्दन जुयाल सौरभ जुयाल आदि की मौजूदगी रही।

साइबर ठगी के अंतरराज्यीय गैंग का सदस्य राजस्थान से गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : पुलिस ने क्रिप्टो करेंसी में इन्वेस्ट करने के नाम पर 9 लाख से अधिक की साइबर धोखाधड़ी करने वाले अन्तर्राज्यीय गैंग के दूसरे आरोपी को राजस्थान से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस मामले में अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए भी प्रयास किए जा रहे है। शातिर आरोपी पर एसएसपी लोकेश्वर सिंह ने 5 हजार का इनाम घोषित किया था। एसएसपी पौड़ी लोकेश्वर सिंह ने बताया कि बीते 20 अक्टूबर को धारा रोड निवासी सैंपी भंडारी ने कोतवाली पौड़ी में शिकायती पत्र देते हुए बताया था कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने व्हाटसएप में क्रिप्टो करेंसी और माइनिंग ट्रेडिंग ऐप डाउनलोड कराकर अधिक मुनाफा कमाने का लालच देकर 9 लाख 20 हजार 500 रुपये की साइबर धोखाधड़ी कर दी। जिस पर कोतवाली पौड़ी में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज करते हुए पुलिस टीम का गठन किया गया। जांच के दौरान साइबर धोखाधड़ी करने वाले गिरोह के एक सदस्य को हरियाणा से संचालित होना पाया गया था। जिस पर पुलिस टीम ने हरियाणा में दबिश देकर इस गैंग के एक सदस्य करन शर्मा को बीती 21 मार्च को पानीपत हरियाणा से गिरफ्तार किया था। एसएसपी के मुताबिक इस धोखाधड़ी में संलिप्त अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहा था। इस प्रकरण में गिरोह के एक अन्य सदस्य बगरु, जयपुर राजस्थान निवासी अभिषेक शर्मा के संलिप्त होने की पुष्टि हुई। अभियुक्त शातिर साइबर अपराधी होने के कारण पुलिस की भनक लगते ही अपने ठिकाने बदल रहा था। बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए उस पर 5 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया गया।

सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम के तहत अप्रैल माह का रोस्टर जारी

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम के तहत जिलाधिकारी सौरभ गहरवार के निर्देशन में जनपद स्तरीय अधिकारी विभिन्न गांवों में भ्रमण कर ग्रामीणों के साथ बैठक करेंगे। इस दौरान अधिकारी ग्रामीणों की समस्याओं को सुनने, उनका समाधान करने के साथ ही ग्रामीणों को सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी से भी अवगत कराएंगे। इसके लिए माह अप्रैल हेतु रोस्टर जारी कर दिया गया है। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जीएस खाती ने जानकारी देते हुए बताया कि माह अप्रैल हेतु जारी किए गए रोस्टर के अनुसार उप वन संरक्षक कल्याणी विकासखंड जखोली की ग्राम पंचायत रायड़ी में ग्रामीणों के साथ बैठक करेंगी। इसी तरह अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा विकासखंड अगस्त्यमुनि की ग्राम पंचायत क्यूड़ी मलांस, जबकि जिला विकास अधिकारी अनीता पंवार विकासखंड जखोली की ग्राम पंचायत डंगवाल गांव में भ्रमण करने के साथ ही ग्रामीणों के साथ बैठक करेंगी। उन्होंने बताया कि अन्य अधिकारियों में परियोजना निदेशक विमल कुमार रौठिया गांव में, मुख्य शिक्षा अधिकारी प्रवेंद्र कुमार बिष्ट स्यूपुरी में, उप जिलाधिकारी जखोली भगत सिंह फोनिया डांगी बांगर में, उप जिलाधिकारी ऊखीमठ अनिल कुमार शुक्ला पाव जगपुड़ा में तथा उप जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग आशीष चंद्र घिल्डियाल गहड़ गांव में सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम के तहत ग्रामीणों के साथ बैठक करने के साथ ही उन्हें सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी से भी अवगत कराएंगे। इसके अलावा मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. आशीष रावत बीरों देवल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रामप्रकाश नागजगई, जिला पर्यटन अधिकारी राहुल चैबे भीगी तथा जिला सूचना अधिकारी वीरेश्वर तोमर विकासखंड जखोली की ग्राम पंचायत अरखुंड में बैठक आयोजित करेंगे। उन्होंने बताया कि उक्त कार्यक्रम के अंतर्गत 45 अधिकारियों को अलग-अलग ग्राम पंचायतों का आवंटन किया गया है जो गांव में चैपाल आयोजित कर ग्रामीणों की समस्या को सुनेंगे।

नौ दिनों तक बंद रहेंगी मांस की दुकानें

श्रीनगर गढ़वाल : नवरात्र पर्व पर श्रीनगर में मीट मांस की दुकानें बंद रहेंगी। श्रीनगर महापौर आरती भंडारी ने इस सम्बन्ध में आदेश जारी किया है। उन्होंने निगम अधिकारियों, कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि मीट मांस की दुकानें पूर्ण रूप से बंद रखने के लिए वह सम्बन्धित दुकान स्वामियों से इसका पालन सुनिश्चित करवाएं। नगर निगम क्षेत्र में नवरात्र पर्व पर नौ मीट मांस की दुकानें बंद रखने का निर्णय महापौर आरती भंडारी ने लिया है। उन्होंने नवरात्र पर्व तक निगम क्षेत्र के अंतर्गत सभी मीट मांस की दुकानें बंद रखने का अनुरोध भी विक्रेताओं से किया है। भंडारी ने कहा कि हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं के सम्मान और नगर में आध्यात्मिक एवं शुद्ध वातावरण बनाए रखने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि नवरात्र पर्व पर बड़ी संख्या में लोग व्रत रखकर देवियों की पूजा अर्चना करते हैं।

वार्षिकोत्सव में दिखी सांस्कृतिक छटा

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भाबर क्षेत्र के देवरामपुर स्थित महर्षि दयानंद सरस्वती शिशु मंदिर का वार्षिकोत्सव मंगलवार को धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। साथ ही गृह परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।विद्यालय परिसर में आयोजित वार्षिकोत्सव का आरंभ नगर निगम महापौर शैलेंद्र सिंह रावत और पूर्व आचार्य सुनील खंतवाल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

अपने संबोधन में महापौर शैलेंद्र सिंह रावत ने कहा कि सभी छात्र-छात्राओं को मन लगाकर अध्ययन करना चाहिए और अपने आचार्यों की बातों को मानना चाहिए। कहा कि आज का छात्र कल के देश का भविष्य है।

आयोजित वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में प्रस्तुति देते विद्यार्थी

इसलिए छात्रों को एकाग्रता के साथ अध्ययन करना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान प्रधानाचार्य ने विद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। तत्पश्चात छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। इस दौरान विद्यालय प्रबंध समिति के विकास पंत, अमित अग्रवाल, रणवीर लाल निमोही ,कपिल जोशी, नरेंद्र रावत , सोनम भंडारी , सविता जोशी सहित छात्रों के अभिभावक मौजूद रहे।

स्कूल में शहीद हरीश की मूर्ति का हुआ अनावरण

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : एमआईसी स्कूल में मंगलवार को एनएसजी सहायक कमांडर शहीद हरीश सिंह नेगी की मूर्ति का अनावरण किया गया है। शहर से सटे हुए बैंज्वाड़ी गांव निवासी एनएसजी सहायक कंमाडर हरीश सिंह नेगी वर्ष 1990 में पंजाब में हुए आतंकी हमले में शहीद हो गए थे। उनके गांव के पास स्कूल का नाम हरीश आदर्श विद्यालय रखा गया है।

मूर्ति अनावरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक राजकुमार पोरी, नगर पालिका अध्यक्ष हिमानी नेगी ने कहा कि शहीद हरीश सिंह नेगी के सम्मान में यह मूर्ति स्थापित की गई है। उनके परिवार के लिए यह गर्व का विषय है।

एनएसजी इंस्पेक्टर राकेश बिष्ट ने कहा कि यह गर्व की बात है कि हरीश सिंह नेगी ने जहां अपनी पढ़ाई कि आज वहां उनकी मूर्ति स्थापित की गई है। गृह मंत्रालय व राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड के अथक प्रयासों के बाद यह संभव हो पाया है। बताया कि वर्ष 1990 में पंजाब में हुए आतंकी हमले में एनएसजी में सहायक कमांडर हरीश सिंह शहीद हो गए थे। कार्यक्रम में शहीद हरीश सिंह नेगी की पत्नी वैजयंती देवी ने कहा कि उनकी मूर्ति के अनावरण के बाद यहां के युवा भी देश की सेवा के लिए प्रोत्साहित होंगे। कहा कि एनएसजी श्रद्धांजलि देने हर साल उनके गांव पहुंचती है। इस मौके पर स्कूल के प्रधानाचार्य योगेश, पूर्व सैनिक कल्याण संगठन के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह राणा, शहीद हरीश सिंह नेगी की माता कल्पेश्वरी देवी, पुत्री आकांक्षा नेगी, पुत्र अनुराग नेगी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष केशर सिंह नेगी आदि मौजूद थे।

विश्व प्रसिद्ध रम्माण के भव्य आयोजन के लिए जिला प्रशासन ने शुरू की तैयारी

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : चमोली के सलूड़-डुंग्रा गांव में आयोजित होने वाली विश्व धरोहर रम्माण के भव्य आयोजन के लिए जिला प्रशासन ने कवायद शुरु कर दी है। जिसे लेकर जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने रम्माण के भव्य आयोजन को लेकर की जा रही तैयारियों की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने बैठक में रम्माण के भव्य आयोजन के लिए जिला पर्यटन अधिकारी बृजेंद्र पांडे को आयोजन स्थल को फूलों और लाइट से सजाने के साथ ही दर्शकों के बैठने की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने आयोजन के प्रचार-प्रसार के लिए मीडिया का सहयोग लेने के साथ ही यूट्यूबर और अन्य सोशल मीडिया ब्लॉगरों को आमंत्रित करने की बात कही। उन्होंने कहा कि चमोली जनपद में आयोजित होने वाला रम्माण विश्व धरोहर है। जिसे देखते हुए इसके संरक्षण और प्रचार-प्रसार के लिए आयोजन को भव्य स्वरुप दिया जा रहा है। कहा कि विश्व धरोहर रम्माण को मीडिया और सोशल मीडिया के सहयोग से प्रचारित प्रसारित कर नई पीढ़ी को इस आयोजन से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

विभाग	Electrical (TRD)
टेंडर न	T-21-TRD-MB-24-25
कार्य का नाम	मुरादाबाद मंडल (खण्ड–III) पर ऑटो–टेंशनिंग डिवाइस (एटीडी) की सावधिक ओवरहॉलिंग (पीओएच) का कार्य दो वर्ष की अवधि के लिये।
निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक एवं समय	22.04.2025, 15:00 Hrs
कार्य की अनुमानित लागत (₹)	₹ 2,55,80,544/- (Incl. GST @18%)
बिड सिक्यूरिटी राशि (₹)	₹ 2,77,900/-
निविदाप्रपत्र मूल्य (₹)	NIL
ऑफर की वैधता (दिन)	60 दिन
कार्य पूरा करने की अवधि	24 माह
वेबसाइट एवं कार्यालय का पता	www.ireps.gov.in कार्यालय मंडल रेल प्रबंधक, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद

निविदा सूचना सं. Elect/TRD/MB/2024-25/TN-12 दिनांक : 30.03.2025 [illegible]

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संक्षिप्त समाचार

पुलिस महानिदेशक ने की राज्यपाल से भेंट

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से मंगलवार को राजभवन में पुलिस महानिदेशक श्री दीपम सेठ ने भेंट की। इस दौरान कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई, जिनमें पुलिस प्रशिक्षण, नशामुक्ति अभियान, लोकल उत्पादों को बढ़ावा देने और चारधाम यात्रा की तैयारियों सहित अन्य विषय शामिल रहे। राज्यपाल ने पुलिस महानिदेशक को पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज (पीटीसी) नरेंद्र नगर को उच्चीकृत किए जाने के निर्देश देते हुए इसे हिमालयी राज्यों के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसमें आपदा प्रबंधन, साइबर क्राइम, भीड़ प्रबंधन जैसी पुलिस संबंधी चुनौतियों से निपटने के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम भी संचालित किए जाएं। उन्होंने इसके लिए विशेष कार्ययोजना तैयार किए जाने के निर्देश दिए। राज्यपाल ने पुलिस विभाग द्वारा राज्य में नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे जन-जागरूकता अभियान को व्यापक स्तर पर संचालित किए जाने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि इस अभियान में विश्वविद्यालयों, कॉलेजों, स्कूलों, छात्रों, अभिभावकों, शिक्षाविदों, मनोवैज्ञानिकों, डॉक्टरों और रिहैब सेंटरों सहित सभी हितधारकों को भी सम्मिलित किया जाए, ताकि नशे के दुष्प्रभावों के प्रति समाज को जागरूक किया जा सके। उन्होंने प्रदेश की सभी पुलिस कैंटीनों में सहकारी समितियों के सहयोग से स्थानीय उत्पादों, विशेषकर वाइब्रेंट विलेज के उत्पादों को प्राथमिकता दिए जाने की बात कही। उन्होंने कहा कि इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी सशक्त बनाया जा सकेगा।

यूपीएस के विरोध में कर्मचारियों का प्रदर्शन

देहरादून। पुरानी पेंशन बहाली आंदोलन के तहत कर्मचारियों ने यूपीएस का विरोध किया। आक्रोशित शिक्षक-कर्मचारियों ने कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। डीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा है। कर्मचारियों ने अपने-अपने कार्यस्थल पर काली पट्टी बांधकर विरोध जताया। सरकार से शीघ्र ही पुरानी पेंशन बहाल करने की मांग की है। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि सरकार ने एक अप्रैल से यूपीएस लागू करने की घोषणा की है। इस पेंशन योजना में कई खामियां हैं। कर्मचारियों की वेतन से होने वाली दस फीसदी कटौती की राशि की वापसी नहीं होगी। जबकि पुरानी पेंशन में कर्मचारियों को रिटायमेंट पर यह राशि वापस मिलती थी। पुरानी पेंशन योजना में राज्य में 20 वर्ष की सेवा के पश्चात पूरी पेंशन का प्राविधान था, जो अब 25 वर्ष के पश्चात भी पूर्ण रूप से प्राप्त नहीं होगी। एक ही राज्य में तीन प्रकार की पेंशन मिलेगी, जो समानता के अधिकारों का सरासर उल्लंघन है और कर्मचारियों को आपस में बांटने का प्रयास प्रतीत होता है। सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा प्रतिपूर्ति का प्राविधान भी नहीं है, जिससे कर्मचारियों में आक्रोश है। उन्होंने यूपीएस को समाप्त कर पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने की मांग की है। इस मौके पर प्रांतीय अध्यक्ष जीतमणि पैन्यूली, महामंत्री मुकेश रतूड़ी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जगमोहन सिंह रावत, प्रचार प्रसार मंत्री हर्षवर्धन जमलोकी, कोषाध्यक्ष शांतनु शर्मा, जनपद अध्यक्ष सुनील गुसाईं, गोपाल सिंह, पूर्ण राणा, विजेंद्र कंडारी, जयपाल सिंह, अनिल सिंह पंवार, सुरेंद्र श्रीकोटी, आशीष यादव, होशियार सिंह गुसाईं, अर्चना बंगवाल, उषा भंडारी, संजय भारद्वाज, रज्जाक अहमद, राजेश कुमार, सुदर्शन सिंह राणा, दीपक सिंह पवार, विकास तोपवाल, आशीष नौटियाल, अजय नेगी, विद्या दत्त जोशी, एकता सिंह, पंकज बिष्ट, अरुण उनियाल, केके राज मौजूद रहे।

घोड़े-खच्चरों की स्क्रीनिंग में लापरवाही पर होगी कार्रवाई

देहरादून। घोड़े-खच्चरों में एक्वाइन इन्फ्लुएंजा पाए जाने पर सरकार अलर्ट मोड पर आ गई है। पशुपालन मंत्री सौरभ बहुगुणा ने मंगलवार को सचिवालय में आयोजित बैठक में निर्देश दिए घोड़े-खच्चरों की स्क्रीनिंग में लापरवाही बरतने वाले अफसरों और कर्मचारियों के विरुद्ध कड़ा एक्शन लिया जाएगा। पूर्वाह्न आयोजित बैठक में अफसरों ने कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा को जानकारी दी कि रुद्रप्रयाग में 12 अश्ववंशीय पशुओं में एक्वाइन इन्फ्लुएंजा की पुष्टि हुई है, जिन्हें क्वारंटीन कर दिया गया है। यह बीमारी अन्य अश्ववंशीय पशुओं में तेजी से फैलती है, इसके मद्देनजर संबंधित घोड़े-खच्चरों के मालिकों को इन्हें अन्य जानवरों से दूर रखने की हिदायत दी गई है।बहुगुणा ने प्रदेश के सभी पशु रोग नियंत्रण चौकियों पर अश्ववंशीय पशुओं की स्क्रीनिंग के साथ ही रुद्रप्रयाग के जिलाधिकारी को उक्त रोग का संक्रमण रोकने के लिए सभी ऐहतियात बरतने की हिदायत दी है।

चाकीसैंण तहसील दिवस में 12 शिकायतें हुई दर्ज

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : अपर जिलाधिकारी अनिल सिंह गर्ब्याल की अध्यक्षता में राजकीय व्यावसायिक कॉलेज बनास, पैठाणी में चाकीसैंण तहसील दिवस का आयोजन किया गया। तहसील दिवस में कुल 12 शिकायतें दर्ज की गई, जिनमें अधिकांश शिकायतें लघु सिंचाई, विद्युत, राजस्व, लोनिवि और शिक्षा विभाग से संबंधित रही।

मंगलवार को आयोजित तहसील दिवस में राम सिंह ने खंड मल्ला गांव में विद्युत पोल लगाने, दिनेश पंवार ने ओबीसी प्रमाण पत्र, कमल सिंह ने मलुण्ड-चौंरीखाल मोटर मार्ग और अरविंद सिंह ने दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाने की समस्या प्रस्तुत की। इसके अलावा अन्य लोगों ने भी अपनी क्षेत्रीय समस्याएं अपर जिलाधिकारी के समक्ष रखी। अपर जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को तत्काल निस्तारण के निर्देश दिए। कहा कि तहसील दिवसों का उद्देश्य जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान है।

उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे समय पर शिकायतों का निस्तारण करें और क्षेत्रीय लोगों को उसका लाभ प्रदान करें। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय अधिकारी स्थानीय लोगों की छोटी-छोटी समस्याओं का निस्तारण अपने ही स्तर से करें, जिससे उन्हें मुख्यालय के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। इस अवसर पर संयुक्त मजिस्ट्रेट दीपक रामचंद्र शेट, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी करन सिंह, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. विशाल शर्मा, तहसीलदार दीवान सिंह राणा, सहायक अभियंता जल संस्थान संजय कुमार, सीडीपीओ पूजा रावत, पशु चिकित्साधिकारी डॉ. प्रीति गौतम, नायब तहसीलदार पूरण प्रकाश रावत सहित अन्य अधिकारी और क्षेत्रीय लोग उपस्थित थे।

विदेश से जन्म दिवस मनाने स्वदेश लौटे डॉ. नैथानी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : विकासखंड कल्जीखाल के प्रसिद्ध एतिहासिक गांव नैथाणा निवासी डॉ. सतीश चन्द्र नैथानी जो साइंटिस्ट रहे है और वर्तमान में लंदन में रहते है, लेकिन विगत कई वर्षों से वह अपना जन्म दिवस मानने स्पेशल विदेश से नैथाणा गांव आते है। डॉ. सतीश चन्द्र नैथानी ने विगत वर्षों की भांति इस वर्ष अपना 91वां जन्म दिवस अपने परिजनों एवं शुभचिंको के साथ अपने घर नैथाणा गांव, पट्टी मनियारस्यूं पूर्वी, पौड़ी गढ़वाल में बड़े ही धूमधाम से मनाया। डॉ. नैथानी 91 वर्ष की आयु में भी चुस्त पुष्ट और स्वस्थ है। वह सुबह योग और मार्निंग वॉक करते है। उन्होंने कहा कि जब वह 95 वर्ष पार कर लेंगे तो वह हमेशा के लिए लंदन छोड़ कर स्वदेश लौट कर जीवन के अंतिम पड़ाव में अपने पैतृक गांव नैथाणा में ही रहेंगे। इस मौके पर सभी परिजनों एवं शुभचिंको ने गुलदस्ता देकर डॉ. सतीश चन्द्र नैथानी को शुभकामनाएं एवं बधाई देते हुए उनके दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। इस अवसर पर विनोद नैथानी, वीर पुरिया ट्रस्ट के अध्यक्ष सुनील नैथानी, संरक्षक निर्मल नैथानी, वीरेंद्र नैथानी, संतोष नैथानी, वरिष्ठ पत्रकार एवं सोशल एक्टिविस्ट अजय रावत, अजय पटवाल, समाजिक कार्यकर्ता अशोक रावत, जसवीर रावत, मां भुवनेश्वरी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष मदन सिंह रावत, डॉ. गिरीश प्रसाद नैथानी आदि मौजूद रहे।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने पौड़ी और कोटद्वार में की छापेमारी, मचा हड़कंप

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : देहरादून में कुट्टू का आटा खाने से कई लोगों के बीमार होने के बाद खाद्य सुरक्षा विभाग नींद से जाग गया है। विभाग ने मंगलवार को पौड़ी और कोटद्वार क्षेत्र में कई दुकानों में छापेमारी की। अचानक हुई छापेमारी से दुकानदारों में हड़कंप मच गया।

इस दौरान विभाग की टीम ने खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर कुट्टू के आटे के सैंपल लिए। अधिकारियों ने दुकानदारों को सही कुट्टू का आटा बेचने के निर्देश दिए। जिला अभिहित अधिकारी एएस रावत ने बताया कि नवरात्र पर्व को देखते हुए जिले के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को कुट्टू के आटे के सैंपल लेने के निर्देश दिए गए हैं। बताया कि पौड़ी और कोटद्वार में कुट्टू के आटे के तीन सैंपल लिए गए, जिन्हें जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। इस दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी रचना लाल ने लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि पुराने कुट्टू के आटे में सीलन और फंगस लगने के बाद उसका सेवन न करें। इससे फूड प्वाइजनिंग होने की संभावना बनी रहती है। निरीक्षण में खाद्य सुरक्षा अधिकारी संदीप मिश्रा, कानूनगो अतर सिंह, रोहित कुमार आदि शामिल रहे।

कुट्टू का पुराना आटा बेचने पर होगी कार्रवाई

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : देहरादून में कुट्टू के आटे से लोगों की तबीयत बिगड़ने के बाद जिला प्रशासन अलर्ट हो गया है। थानाध्यक्ष सतपुली जगमोहन रमोला ने व्यापारियों की बैठक ली। उन्होंने सभी व्यापारियों से अपील की ऐसी कोई भी सामग्री ना बेचे, जिससे लोगों की सेहत को खतरा बनें। मंगलवार को नगर पंचायत सतपुली में थानाध्यक्ष जगमोहन रमोला ने व्यापारियों की बैठक लेते हुए पुराना आटा न बेचने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने व्यापारियों को जागरूक करते हुए कहा कि इसको लेकर क्षेत्र में किसी भी व्यक्ति को कोई समस्या या शिकायत आती है तो उस विक्रेता के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने व्यापारियों से सुझाव भी मांगे। बैठक में सतपुली व्यापार संघ के अध्यक्ष जयदीप नेगी, विशाल बंसल, पुष्पेंद्र राणा, राजेश बेदी, वीरेंद्र सिंह नेगी, कमलेश मकान, सभासद चंद्र मोहन सिंह रावत, अजय रावत, नीरज रावत, संजय सिंह आदि मौजूद रहे।

विधायक कंडारी ने कक्षा कक्ष का लोकार्पण किया

नई टिहरी। विधायक विनोद कंडारी ने सरस्वती शिशु मन्दिर कांडाधार में 7.5 लाख रुपये की विधायक निधि से बने टी शेड और कक्षा कक्ष का लोकार्पण किया। वह विद्यालय के वार्षिक उत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। विधायक कंडारी ने विद्यालय की सराहना करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में संस्कारयुक्त शिक्षा की महत्ता पर बल दिया। इस मौके पर विद्यालय प्रबंधक अशोक तिवारी और प्रधानाचार्य कैलाश रतूड़ी ने विधायक और अन्य अतिथियों का स्वागत करते उन्हें रामलला का चित्र और अभिनंदन पत्र भेंट किया। वार्षिकोत्सव की शुरुआत सरस्वती वंदना से हुई। जिसमें छात्र-छात्राओं ने गढ़वाली गीत-नृत्य और राष्ट्रभक्ति से जुड़ी आकर्षक प्रस्तुतियां दी। इस मौके पर राष्ट्रीय स्वयं सेविका समिति जिला कार्यवाहिका डॉ. रक्षा रतूड़ी, बौद्धिक प्रमुख राकेश, जिला संघ चालक सुरेश कोटियाल, जिला प्रचारक सुभाषित, जिला कार्यवाह शरत तड़ियाल, चंदा प्रसाद टोडरिया आदि मौजूद रहे।

बद्रीनाथ धाम के कपाट खुलने से पूर्व होता है रम्माण का आयोजन

चमोली , चमोली जिले के पैनखंडा क्षेत्र के सलूड डुंग्रा में रम्माण का आयोजन प्रतिवर्ष अप्रैल माह में बद्रीनाथ धाम के कपाट खुलने से पूर्व किया जाता है। रम्माण अपनी विशिष्ट नृत्य शैली और मुखौटों के लिए अलग पहचान लिए हुए है। जिसे देखते हुए यूनेस्को की ओर से वर्ष 2009 में रम्माण को विश्व धरोहर में शामिल किया गया था। रम्माण जहां स्थानीय लोगों की आस्था को संजोए हुए है। वहीं विश्व धरोहर होने के चलते देश और दुनिया के लोगों के लिए यह आयोजन आकर्षण का केंद्र बना रहता है। उत्तराखण्ड राज्य के निर्माण के बाद वर्ष 2016 में रम्माण को गणतंत्र दिवस की परेड में भी शामिल किया गया था।

नृसिंहाचल पहाड़ी को पर्यावरणीय समृद्धि देने का प्रयास

नई टिहरी। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर की एनएसएस इकाई के स्वयं सेवी विशेष शिविर के तहत परिसर को संवार रहे हैं। शिविर पर्यावरण केंद्रित होने के कारण छात्र पौधरोपण कर रहे हैं, साथ ही परिसर को आग से बचाने के लिए आस-पास की झाड़ियों को भी काट रहे हैं। शिविर की थीम नृसिंहाचल बनेगा सुगंधाचल और समृद्धांचल रखी गयी है। श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर में के सात दिवसीय एनएसएस शिविर में खेल मैदान में मिट्टी भरान व उसके समतलीकरण का कार्य किया गया। परिसरकी खाली पड़ी जमीन पर फूल व लताएं लगाई गयी। नीम के 10 पौधे लगाये गये। शिविर में 50 छात्र-छात्राएं इस कार्य को कर रहे हैं। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डा सुरेश शर्मा के अनुसार परिसर में ही आयोजित साथ दिवसीय शिविर में पर्यावरण संरक्षण और वन्य जंतुओं से प्रेम की प्रेरणा भी दी जा रही है। सभी को प्रमाणपत्र दिये जाएंगे। परिसर निदेशक प्रो पीवीबी सुब्रह्मण्यम ने बताया कि नृसिंहाचल पर्वत पर पर्यावरणीय दृष्टि से बहुत कार्य किया जाना है। हम पहले ही इस पहाड़ी को पर्यावरण की दृष्टि से समृद्ध करने की प्रतिबद्धता प्रकट कर चुके हैं। परिसर में 500 से अधिक पौधे लगाये जा चुके हैं। इसके बाद परिसर के ऊपर की ओर पौधरोपण किया जाना है। आग की दृष्टि से यह टापू संवेदनशील है। गत वर्ष आग की घटनाओं से परिसर प्रशासन ने सबक लिया है। इस बार आग सीजन से पहले ही आवासीय क्षेत्र के अगल-बगल की झाड़ियों को काटा जा रहा है।

परिसर के वातावरण को जीव-जंतुओं के अनुकूल बनाया जा रहा है। परिसर में हरियाली और गौरैया के आवासों के निकट दाना-पानी की व्यवस्था इसी के तहत की जा रही है।

स्कूलों में छात्र संख्या बढ़ाने को सामूहिक प्रयास करें: डीएम

नई टिहरी। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित की अध्यक्षता में मंगलवार को आयोजित शिक्षा विभाग की बैठक में समग्र शिक्षा अभियान की उपलब्धियों और विद्यालयों की सुविधाओं की समीक्षा की गई। डीएम ने स्कूलों में छात्र संख्या बढ़ाने के लिए सामूहिक प्रयास करने की बात कही। इसके साथ ही स्कूलों में पेयजल, शौचालय, विद्यालय भवन, प्रयोगशाला, और यातायात की सुविधाओं को बेहतर करने के निर्देश दिए। डीएम ने सीईओ एसपी सेमवाल को पीएम श्री स्कूलों का भ्रमण कर सुधार कार्यों को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। साथ ही दिव्यांग बच्चों के लिए सहायता उपकरण और स्वीकृत धनराशि से संबंधित कार्यों को भी गति देने की बात की। डीएम ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय और पीएम पोषण योजना के तहत किचन संचालन की भी जानकारी ली। इस बैठक में डायट के डीईओ माध्यमिक डीपी सिंह, प्राचार्य हेमलता भट्ट, और जिला समाज कल्याण अधिकारी श्रेष्ठा भाकुनी भी उपस्थित थे।

जिला आबकारी अधिकारी मिले कार्यालय से नदारद

सहायक लेखाकार और कनिष्ठ सहायक के वेतन वृद्धि पर लगाई रोक

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने मंगलवार को जिला आबकारी कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कार्यालय में जिला आबकारी अधिकारी के साथ ही दो अन्य कर्मचारी कार्यालय से नदारद मिले। जिस पर जिलाधिकारी ने आबकारी अधिकारी के साथ ही अन्य कर्मचारियों के एक दिन का वेतन काटने और आबकारी अधिकारी के सर्विस ब्रेक करने और अन्य कर्मचारियों की वेतन वृद्धि पर रोक लगा दी है।

जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने बताया कि चमोली में नये वित्तीय वर्ष में अंग्रेजी शराब की दुकानों का व्यवस्थापन किया जाना है। जिसके लिए मंगलवार को आबकारी अधिकारी को बुलाया गया था। लेकिन आदेशों के बावजूद आबकारी अधिकारी कार्यालय में उपस्थित नहीं हुए। जिस पर जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश के साथ जिला आबकारी कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान जहां कार्यालय से जिला आबकारी अधिकारी दुर्गेश्वर कुमार त्रिपाठी गायब मिले। वहीं सहायक लेखाकार धीरज भट्ट और कनिष्ठ सहायक मनीष रावत भी कार्यालय से नदारद पाए गए। कार्यालय पीआरडी कर्मचारी के भरोसे छोड़ा गया था। जिस पर जिलाधिकारी ने कार्रवाई करते हुए आबकारी अधिकारी का एक दिन का वेतन रोकते हुए सर्विस ब्रेक दे दिया है। साथ ही सहायक लेखाकार और कनिष्ठ सहायक के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए एक दिन का वेतन रोकते हुए वेतन वृद्धि पर भी रोक लगा दी है।

यात्रा पंजीकरण को लेकर नहीं आयेगी समस्या : डीएम

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : आगामी चारधाम यात्रा के सफल संचालन को लेकर जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने जिला सभागार में यात्रा से जुड़े सभी हितधारकों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि यात्रा पंजीकरण को लेकर किसी प्रकार की समस्या नहीं आएगी। उन्होंने सभी निर्माणदायी संस्थाओं को हर तीसरे दिन कार्य की प्रगति के फोटोग्राफ्स उपलब्ध कराने और अपने मजदूरों का पुलिस सत्यापन कराने के निर्देश दिए।

बद्रीनाथ में बिजली, पानी, सीवर की समस्या को लेकर डीएम ने बताया कि पेयजल की समस्या को लेकर जल संस्थान ने 2 करोड़ के वर्क आर्डर जारी कर दिए हैं, सीवर का काम भी शुरू हो गया है और विद्युत आपूर्ति भी सूचारू कर दी गयी है। जिलाधिकारी ने पीआईयू को तीर्थ पुरोहित आवास के 5 ब्लॉक मई तक पूर्ण करने और अन्य ब्लॉकों के कार्यों को शुरू कराने के साथ ही धाम में अलकनन्दा नदी की गाद हटाने के निर्देश दिए। पुलिस विभाग को बद्रीनाथ का ट्रैफिक प्लान बनाने के साथ ही अवैध तरीके से मन्दिर दर्शन कराने वालों पर सख्ती बरतने के निर्देश दिए। डीएम ने जल संस्थान को हेमकुण्ड मार्ग पर घोड़े खच्चरों के लिए गर्म पानी की व्यवस्था को सुचारू करने, सिंचाई विभाग को बद्रीनाथ के गेस्ट हाउस को व्यवस्थित करने और डीईओ पीआरडी को तीन स्वयं सेवक देने के निर्देश दिए। इस दौरान पुलिस अधीक्षक सर्वेश पंवार, परियोजना निदेशक आनन्द सिंह, एसडीएम चमोली राज कुमार पाण्डेय सहित अन्य संबंधित अधिकारी और हितधारक मौजूद रहे।

शिक्षा मंत्री आवास पर गरजीं महिला कांग्रेस कार्यकर्ता

देहरादून। उत्तराखंड में करोड़ों रुपये के एलयूसीसी घोटले, प्राइवेट स्कूलों में फीस बढ़ोतरी और कुट्टू के आटे में मिलावट का मामला उठाते हुए प्रदेश महिला कांग्रेस ने शिक्षा एवं सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत के आवास का घिराव किया। इस दौरान प्रदर्शनकारी महिलाओं ने गेट पर चढ़कर आवास में प्रवेश की कोशिश की। पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर धक्कामुक्की के बीच बमुश्किल महिलाओं को भीतर जाने से रोका। प्रदर्शनकारी महिलाओं की ओर से जोरदार ढंग से नारेबाजी करते हुए देर तक धरना दिया गया। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत प्रदेश अध्यक्ष ज्योति रौतेला के नेतृत्व में महिलाएं दोपहर 12 बजे के आसपास यमुना कॉलोनी में एकत्र हुईं। धरने को संबोधित करते हुए अध्यक्ष रौतेला ने कहा कि एलयूसीसी घोटले ने जिस तरह देवभूमि को कलंकित करने का किया है, वह किसी से छुपा नही है। उन्होंने कहा द लोनी अर्बन मल्टी क्रेडिट एंड थ्रिफ्ट कॉपरेटिव सोसायटी के खिलाफ निवशकों की ओर से लगातार प्रदर्शन किए जा रहे हैं।

सीएचसी बागी में स्टाफ की कमी पर आंदोलन की चेतावनी

नई टिहरी। सार्वजनिक जनहित मंच ने सीएचसी बागी में विशेषज्ञ डॉक्टरों के पदों सहित लैब और एक्स रे टेक्नीशियन, वार्ड ब्वॉय, सफाईकर्मियों के पदों को भरे जाने की मांग करते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी को ज्ञापन भेजा। तहसीलदार देवप्रयाग सूरजपाल सिंह रावत के माध्यम से भेजे गए ज्ञापन में सीएचसी बागी की चिकित्सा व्यवस्था की खराब स्थिति पर चिंता जताई गई। पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य जगदीश चन्द्र आर्य की अगुवाई में मंगलवार को भरपूर पट्टी के ग्राम पंचायत प्रशासक और महिलाओं ने तहसील मुख्यालय पर सीएचसी बागी में स्टाफ की कमी को लेकर प्रदर्शन किया। ज्ञापन में कहा गया कि सीएचसी बागी में पर्याप्त चिकित्सा स्टाफ और उपकरणों का अभाव है, जिसके कारण मरीजों को श्रीनगर और ऋषिकेश रेफर कर दिया जाता है। यह अस्पताल देवप्रयाग नगर और टिहरी, पौड़ी जिले के चाका, भरपूर, डाण्डा नागराजा, कोट सहित अन्य क्षेत्रों के हजारों की आबादी के लिए एकमात्र चिकित्सा केंद्र है। मंच ने आरोप लगाया कि डॉक्टरों और स्टाफ के अभाव में गरीब जनता को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर बीस दिनों में उनकी मांगें पूरी नहीं की जातीं तो सीएचसी बागी, तहसील मुख्यालय और राजमार्ग पर जन आंदोलन शुरू किया जाएगा।

पानी के कनेक्शन काटने पर दी आंदोलन की चेतावनी

नई टिहरी। एकता मंच के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने डीएम मयूर दीक्षित को ज्ञापन सौंपकर जल और सीवर कर माफ करने के साथ ही जल संयोजन विच्छेदन की कार्यवाही रोकने की मांग की है। कहा यदि ऐसा नहीं हुआ तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। मंगलवार को एकता मंच से जुड़े पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने डीएम से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से बताया कि टिहरी बांध परियोजना से विस्थापित हजारों परिवारों को नई टिहरी में पुनर्वासित किया गया है। लेकिन इन परिवारों को पुनर्वास नीति के तहत कोई सुविधा नहीं मिली। लोगों आश्वस्त कर नई टिहरी में पुनर्वासित किया कि उन्हें आवश्यक सुविधाएं निशुल्क दी जाएंगी। लेकिन आज भी हनुमंत राव कमेटी की सिफारिशों को पूरी तरह से दरकिनार कर दिया गया है। पुनर्वासित लोगों के जल व सीवर कर पूरी तरह से माफ होने चाहिए। इसके विपरीत जल संस्थान बकायेदारों के कनेक्शन काटने का काम कर रहा है, जो कि उचित नहीं है। जल संस्थान की कनेक्शन काटने की कार्यवाही को तत्काल रोकने की मांग करते हुए कहा कि पूर्व में सीएम और पूर्व पेयजल मंत्री की घोषणाओं व हनुमंत राव कमेटी के सिफारिशों को प्रभारी करते हुए जल व सीवर कर भी माफ किया जाए। कनेक्शन विच्छेदन की कार्यवाही न रोकी तो आम लोग आंदोलन को मजबूर होंगे। इस मौके पर एकता मंच के संयोजक आकाश कृषाली, बुद्धि लाल, नियाज बेग, अनुपम भट्ट, रेखा नेगी, बुद्धिपाल सिंह परमार, अशरफी, ममता गुसाईं आदि मौजूद रहे।

पुनर्वास कार्य टीएचडीसी को देने के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन

नई टिहरी। पुनर्वास कार्य टीएचडीसी को दिए जाने का विरोध करते हुए कांग्रेसियों ने मंगलवार को सिंचाई मंत्री सतपाल महाराज और टीएचडीसी के खिलाफ प्रदर्शन कर पुतला जलाते हुए कड़ा ऐतराज जताया। जिसके बाद डीएम के माध्यम से सीएम को ज्ञापन भेजकर कर पुनर्वास कार्य यथावत रखने की मांग की।

कांग्रेसियों ने कलक्ट्रेट में एकत्र होकर शहर कांग्रेस अध्यक्ष कुलदीप पंवार के नेतृत्व में डीएम मयूर दीक्षित से मुलाकात कर उन्हें एक ज्ञापन सौंपा। जिसके माध्यम से पुनर्वास कार्य यथावत सिंचाई विभाग के पास ही रखे जाने की मांग की। कहा कि पुनर्वास कार्य टीएचडीसी को दिये जाने का सभी पुर्नवासित व विस्थापित लोग लगातार विरोध कर कर हैं। उनका कहना है कि अभी पुनर्वास के सैकड़ों मामले विभिन्न स्तरों पर लंबित हैं, लेकिन आज तक उनका निस्तारण नहीं हुआ है। इसलिए लोगों की मंशा को समझते हुए टीएचडीसी को पुनर्वास के कार्य देने का जनविरोधी कार्य न किया जाय।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
—सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382-222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com